वर्षः 7- अंकः 146, मुंबई, सोमवार, 31 जुलाई, 2017 , मूल्यः1 रु. ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस.खान

दैनिक मुंबई हलचल

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त

अब हर सच होगा उजागर

ओमकार बिल्डर और पुनर्वसन अधिकारी में मिलीभगत

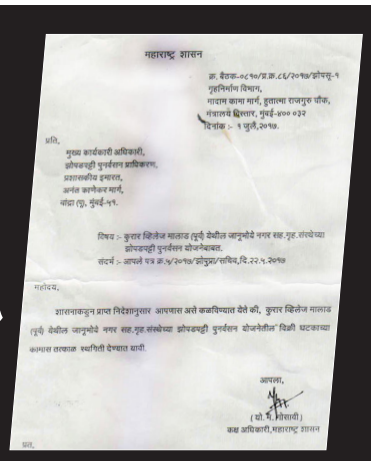

महाराष्ट्र शासन

क्र. बैठक-०८१०/प्र.क्र.८६/२०१७/झोपसू-१
गृहनिर्माण विभाग,
मादाम कामा मार्ग, हुतात्मा राजगुरु चौक,
मंत्रालय विस्तार, मुंबई-४०० ०३२
दिनांक :- १ जुलै,२०१७.

प्रति,
मुख्य कार्यकारी अधिकारी,
झोपडपट्टी पुनर्वसन प्राधिकरण,
प्रशासकीय इमारत,
अनंत काणेकर मार्ग,
बांद्रा (पू), मुंबई-५१.

विषय :- कुरार व्हिलेज मालाड (पूर्व) येथील जानूभोये नगर सह.गृह.संस्थेच्या झोपडपट्टी पुनर्वसन योजनेबाबत.
संदर्भ :- आपले पत्र क्र.५/२०१७/झोपुप्रा/सचिव,दि.२२.५.२०१७

महोदय,

शासनाकडुन प्राप्त निदेशानुसार आपणास असे कळविण्यात येते की, कुरार व्हिलेज मालाड (पूर्व) येथील जानूभोये नगर सह.गृह.संस्थेच्या झोपडपट्टी पुनर्वसन योजनेतील विक्री घटकाच्या कामास तत्काळ स्थगिती देण्यात यावी.

आपला,
(यो. म. गोसावी)
कक्ष अधिकारी,महाराष्ट्र शासन

प्रत,

सरकारी आदेश को रद्दी की टोकरी में डाला

मुंबई। महानगर के मालाड पूर्व में शांताराम तालाब-गार्डेन स्थित जानू भोयेनगर के 94 रहिवासी ओमकार बिल्डर-डेवलपर्स की धोखाधडी से दरबदर हो गये हैं। इनकी फरियाद कोई सुनने वाला नहीं है। 3-3 बार महाराष्ट्र विधानसभा में इनके बारे में मामला उठाये जाने के बाद भी किसी प्रकार की कार्रवाई का न होना काफी हैरत की बात है। (शेष पृष्ठ 5 पर)

ओमकार बिल्डर-डेवलपर्स की जालसाजी से जुडे किस्से पढ़ें कल के अंक में।

कलाम की मूर्ति के पास गीता रखने पर विवाद

परिजनों ने कुरान-बाइबिल भी रखी

रामेश्वरम। यहां कलाम मेमोरियल में पूर्व राष्ट्रपति डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम की मूर्ति के पास भगवत गीता रखे जाने पर विवाद हो गया है। एमडीएमके और पीएमके पार्टियों ने कलाम की मूर्ति के पास गीता रखने पर सवाल उठाए हैं। उधर, कलाम के परिजनों ने इस मूर्ति के पास कुरान और बाइबिल भी रख दी। (शेष पृष्ठ 5 पर)

शिक्षामित्रों की धमकी

मांगें नहीं मानी गई तो करेंगे धर्म परिवर्तन

नई दिल्ली। यूपी में शिक्षा मित्रों ने अपना विरोध प्रदर्शन तेज कर दिया है। शिक्षा मित्रों ने धमकी दी है कि अगर 15 अगस्त तक योगी सरकार उनकी मांगों पर फैसला नहीं करती है तो वो सब धर्म परिवर्तन कर मुसलमान बन जाएंगे। दरअसल 25 जुलाई को सुप्रीम कोर्ट ने शिक्षामित्रों का समायोजन रद्द कर दिया। कोर्ट ने शिक्षा मित्रों को शिक्षक भर्ती की औपचारिक परीक्षा में बैठने का आदेश दिया है। उन्हें ये परीक्षा ज्यादा से ज्यादा दो बार में पास करने को भी कहा गया है। कोर्ट के फैसले से बाद से ही यूपी के कई शहरों में शिक्षा मित्र सड़कों पर उतरे हुए हैं। गोरखपुर से लेकर वाराणसी तक शिक्षामित्रों प्रदर्शन कर रहे हैं।

अब यादव वोट-बैंक में सेंध लगाने में जुटे अमित शाह

सोनू यादव के यहां किया लंच

लखनऊ। बीएसपी के दलित वोट-बैंक में सेंध लगाने के बाद अब बीजेपी यादवों के बीच अपनी पैठ जमाने और उसे अपनी झोली में लाने के तरकीब में जुट गई है। इस मिशन में खुद बीजेपी के अध्यक्ष अमित शाह सबसे आगे हैं। अमित शाह दो दिन के उत्तर प्रदेश दौरे पर हैं और इस दौरान उन्होंने यादवों को पार्टी की तरफ लाने के लिए लखनऊ के गोमतीनगर में बीजेपी कार्यकर्ता सोनू यादव के घर खाया खाना। (शेष पृष्ठ 5 पर)

आंतरिक लोकतंत्र

दूसरी तरफ अमित शाह ने लखनऊ में ही एक सभा को संबोधित करते हुए राजनीतिक पार्टियों में आंतरिक लोकतंत्र पर जोर दिया। इस बहाने उन्होंने कांग्रेस को निशाने पर लिया। कांग्रेस पर हमला करते हुए अमित शाह ने कहा, सोनिया जी के बाद कांग्रेस का राष्ट्रीय अध्यक्ष कौन होगा? सब जानते हैं कि राहुल गांधी बनेंगे। लेकिन बीजेपी में मेरे बाद कौन बनेगा? किसी को नहीं पता।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

प्रधानमंत्री योजना से बीमा कंपनियों का फायदा : कांग्रेस

मुंबई, 'प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना' किसानों के लिए नहीं, बल्कि सरकारी व निजी बीमा कंपनियों को लाभ पहुंचाने के लिए शुरू की गई है। महाराष्ट्र कांग्रेस प्रदेश प्रवक्ता डॉ सुधीर ढोणे ने यह आरोप लगाया है। उन्होंने मोदी सरकार पर आरोप लगाया है कि सिर्फ 2.3 प्रतिशत किसानों को ही बीमे का लाभ मिला है। फसल बीमा के नाम पर किसानों की आंखों में धूल झोंकने का काम यह सरकार कर रही है।

डॉ ढोणे के अनुसार, संसद में केंद्रीय कृषि मंत्री राधामोहन सिंह ने 18 जुलाई को जानकारी दी थी कि 2016 में खरीफ फसल बीमा के लिए किसानों ने बीमा कंपनियों में प्रीमियम के तौर पर 15,891 करोड़ रुपए जमा कराए। उसकी ऐवज में किसानों को नुकसान की भरपाई के तौर पर केवल 3,634 करोड़ रुपए ही मिले। मतलब

बीमा कंपनियों को केवल एक साल में 12,000 करोड़ रुपये से अधिक लाभ हुआ है। उसी अवधि में देशभर के किसानों को करीब 6,000 करोड़ का नुकसान उठाना पड़ा।

कांग्रेस नेता डॉ ढोणे ने कहा कि रबी फसल के वक्त तमिलनाडु के किसानों को सूखे की मार झेलनी पड़ी। जबकि वहां के किसानों ने फसल बीमा के प्रीमियम के तौर पर 945 करोड़ रुपए भरे और उनको सिर्फ 22 करोड़ रुपये का ही बीमा लाभ मिला। यानी केवल 2.3 प्रतिशत किसानों को बीमा का लाभ मिला, 97.70 फीसदी रकम बीमा कंपनियों के हिस्से आई है। सेंटर फॉर साइंस ऐंड इन्वाइरनमेंट (सीएसई) और कैग की रिपोर्टों और संसद में सरकार की तरफ से दी गई जानकारी में यह मामला सामने आया है। डॉ ढोणे ने कहा कि देश में 4 सरकारी और 14 निजी बीमा की कंपनियां हैं। इन बीमा कंपनियों से प्रीमियम के रूप में मिली रकम का क्या किया? डॉ ढोणे ने सरकार से मांग की है कि किसानों का पैसा चूसने वाली बीमा कंपनियों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री सफल बीमा योजना को मोदी सरकार ने एक मजाक बना दिया है।

देशभर में बनाएंगे सिमेंट की सड़क: नितिन गडकरी

ठाणे, देशभर की सड़कों को कंक्रीट की सड़क बनाने का वादा केंद्रीय सड़क व परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने किया है। नवी मुंबई में आयोजित एक कार्यक्रम में गडकरी ने कहा कि, मुंबई में 20 साल पहले सीमेंट-कंक्रीट वाली सड़कों का निर्माण हुआ था।

उन्होंने कहा, 'और वे अब तक अच्छी हालत में हैं, लेकिन कुछ नेता, नौकरशाह और ठेकेदार यह नहीं चाहते कि ऐसी सड़कें मुंबई में बनें। इन लोगों को लगता है कि तारकोल से ही सड़कें बनाई जानी चाहिए और समय-

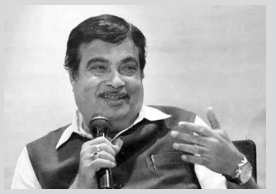

समय पर इनके गड्ढे भरते रहना चाहिए। देशी की समूची सड़कों को सीमेंट कंक्रीट वाली सड़कों में बदल दिया जाएगा।' केंद्रीय मंत्री ने दावा करते हुए कहा कि मैं गारंटी देता हूं कि ये सड़कें 200 साल चलेंगी। मंत्री वहां 'प्रवास 2017 ' - इंडिया इंटरनैशनल बस ऐंड कार ट्रैवल शो के उद्घाटन के दौरान बोल रहे थे।

आठ लुटेरों को 5 वर्ष की कैद

पालघर, डहाणू के गंजाड इलाके में 4 वर्ष पूर्व लूटपाट करने वाले 8 लुटेरों को अदालत ने दोषी ठहराते हुए 5 वर्ष की सजा सुनाई है। सभी लुटेरों पर आरोप था कि गंजाड में रहने वाले उन्होंने जहांगीर कैखशु टाफटी के

घर गत 9 सितंबर 2013 की रात घर में घुसकर घर के सदस्यों को बंधक बना कर उनके साथ मारपीट की और तिजोरी में रखे लगभग 3 लाख 92 हजार रुपये सहित सोने चांदी के गहने लूटकर फरार हो गए। इसके बाद डहाणू पुलिस ने मामला दर्ज कर अपनी जांच शुरू की थी। वारदात के कुछ ही दिन में तत्कालीन पुलिस निरीक्षक श्री राम कोरेगावकर व पुलिस उप निरीक्षक विजय गोडसे की टीम ने सभी आरोपियों को गिरफ्तार लूटी हुई रकम व गहने बरामद कर लिए। गिरफ्तार सभी लुटेरों को जेल हुई। चार साल बाद अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश एस. एस. गुल्हाने की कोर्ट में सुनवाई हुई। सरकारी वकील दीपक तरे ने 12 गवाहों को पेश किया। लूट का शिकार हुए जहांगीर ने भी पहचान परेड के दौरान सभी लुटेरों की पहचान की, जिसके बाद इन सभी सबूतों को पर्याप्त मानते हुए न्यायाधीश एस. एस. गुल्हाने ने आठ आरोपियों को दोषी पाया और सभी को पांच वर्ष सश्रम कारावास की सजा सुनाई। और दोषियों पर पंद्रह सौ रुपये का जुर्माना भी लगाया गया है।

पांच साल कुलपति की कुर्सी पर बैठा रहा अमेरिकी, राज्यपाल ने किया बर्खास्त

मुंबई, महाराष्ट्र के राज्यपाल सीवी राव ने विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति की हैसियत से जिस कुलपति को अपदस्थ किया है, वह अमेरिकी नागरिक हैं। राज्यपाल ने पंजाबराव देशमुख कृषि विद्यापीठ के कुलपति डॉ. रविप्रकाश जी. दानी को कुलपति पद से बर्खास्त कर दिया।

यह विद्यापीठ पूर्वी महाराष्ट्र के अकोला में स्थित है। कुलपति को पांच साल का कार्यकाल पूरा होने के 15 दिनों पहले ही हटाया गया है। दानी अपनी मेज पर अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा की तस्वीर रखते थे। दो साल पहले इसी बात को लेकर विवाद पैदा हुआ था। आपत्ति के बाद उन्होंने तस्वीर हटा दी थी।

राज्यपाल ने महाराष्ट्र सरकार के कानून एवं न्याय विभाग परामर्श के बाद यह कदम उठाया। इसके साथ ही उन्होंने महाराष्ट्र के महाधिवक्ता और विदेश मंत्रालय से भी सलाह ली। शनिवार को राजभवन से जारी बयान में यह जानकारी दी गई है।

दानी को पदमुक्त करने की मांग दो साल से जारी थी। विश्वविद्यालय के कुछ अधिकारियों ने उनकी मेज पर ओबामा की तस्वीर रखा पाया था। 14 अगस्त 2012 को कुलपति बनाए गए दानी को अगले महीने 13 को रिटायर होना था। दुनिया के जानेमाने जीव विज्ञानी दानी टेक्सास विश्वविद्यालय में काम कर चुके हैं। अकोला से भाजपा विधायक रणधीर सावरकर ने उनके विदेशी नागरिक होने का मामला कई मंचों पर उठाया था। प्रमुख किसान नेता किशोर तिवारी ने कहा कि दानी ने केवल बायो-टेक्नोलॉजी को बढ़ावा दिया। यही तकनीक देश में किसानों की दुर्दशा के लिए जवाबदेह है।

बेटों के साथ आत्महत्या करने जा रही महिला को बचाया गया

मुंबई, शराबी पति और हैवान जेठ के अत्याचार, मारपीट और उत्पीड़न से तंग आकर 2 बच्चों के साथ कांदीवली स्टेशन पर खुदकुशी करने जा रही महिला को बचाया गया है। इससे पहले कि महिला आत्महत्या अंजाम दे पाती, अपरूपा हजारिका नामक महिला की नजर उस पर गई। समय रहते अपरूपा की पहल पर जीआरपी और आरपीएफ की मदद से महिला और बच्चे को खुदकुशी करने से बचा लिया गया। खुदकुशी करने जा रही महिला का नाम कंकना रणजीत यादव है, जो कांदीवली में रहती है। परेल स्थित कोस्टा लाइन कंपनी में म्यूजिक कंटेंट एडिटर और कंकना की जान बचाने वाली अपरूपा बताती हैं कि घटना मंगलवार सुबह 9:55 बजे की है। उसने दो बच्चों के साथ एक महिला को प्लैटफॉर्म पर रोते हुए देखा। शक होने पर उसने महिला से पूछताछ की, तो उसने जेठ और पति के अत्याचार, उत्पीड़न और प्रताड़ना से तंग आकर मंगलवार को जेठ द्वारा घर से मारपीट कर भगा दिए जाने और ट्रेन से कटकर जान देने के बारे में बताया। महिला की बात सुनकर उन्होंने रेलवे हेल्पलाइन नंबर 182 पर कॉल किया, जहां से 4 पुलिसकर्मी मौके पर आए। कांदीवली के जीआरपी इंचार्ज रामभाऊ गवारी ने बताया महिला का नाम कंकना रणजीत यादव है, जो कांदीवली के क्रांति नगर में पति और जेठ के साथ रहती है। कंकना को सवा दो साल का विवेक और डेढ़ साल का शिव कुमार नामक बेटा है।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-दिलशाद एस खान द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन:9619102478 /9769659975 कार्यकारी संपादक - सी हरीश
email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

रेलवे स्टेशनों पर धमाकों की झूठी सूचना देने वाला गिरफ्तार

मुंबई। राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) ने मुंबई में 55 साल के एक श्रमिक को रेलवे स्टेशनों पर बम विस्फोट की चेतावनी के बारे में कथित रूप से कॉल करने के लिए गिरफ्तार किया है। गत 13 जुलाई को आई एक गुमनाम कॉल से रेलवे पुलिस में खलबली मच गई थी, लेकिन सूचना गलत साबित हुई। जीआरपी के एक अधिकारी ने शनिवार को बताया बाबू चौहान नामक इस व्यक्ति ने छत्रपति शिवाजी टर्मिनस स्थित नियंत्रण कक्ष में फोन करके कहा था कि दक्षिण मुंबई में चर्चगेट स्टेशन पर एक विस्फोट हो सकता है। पुलिस ने पता लगाया कि कॉल मध्य मुंबई में माहिम स्थित एक पीसीओ से की गई थी। सीसीटीवी फुटेज से चौहान की पहचान हुई। अधिकारी ने कहा कि चौहान गुजरात का रहने वाला है और कैटरिंग उद्योग में काम करता है तथा माहिम में फुटपाथ पर रहता है। उसे शुक्रवार को गिरफ्तार कर लिया गया। उसे शनिवार को एक अदालत में पेश किया गया, जहां से उसे 4 अगस्त तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। अधिकारी ने कहा कि अखबारों में आतंकवादी हमलों के बारे में पढ़ने के बाद उसे शहर में ऐसे ही हमलों का भय हुआ और उसने जीआरपी नियंत्रण कक्ष को फोन करके चेतावनी दी।

टीवी एक्टर की पत्नी ने लगाई फांसी

एक रात पहले हुआ था पति से झगड़ा

मुंबई। कांदिवली पूर्व के लोखंडवाला इलाके में एक 40 साल की महिला नीलिमा गोयल ने पंखे से लटककर आत्महत्या कर ली। पुलिस के मुताबिक, नीलिमा के एक्टर पति मनोज गोयल अपने काम वजह से परिवार को पर्याप्त समय नहीं दे पाते थे। इस वजह से पति-पत्नी के बीच मनमुटाव चल रहा था और नीलिमा करीब 8 महीने से बेटी के साथ किराए के घर में रह रही थी। नीलिमा के पति मनोज गोयल ने टीवी पर 'पापड़पोल : शहाबुद्दीन राठौर की रंगीन दुनिया', 'सजन रे झूठ मत बोलो' और 'एक चाबी है पड़ोस में' जैसे सीरियल्स में काम किया है। शनिवार रात नीलिमा और मनोज का जमकर झगड़ा हुआ था। रविवार सुबह जब बेटी पलक स्कूल गई तो नीलिमा ने अंदर से दरवाजा लगाया और पंखे से लटककर जान दे दी।

सास ने सबसे पहले देखा

मनोज की मां रोज नीलिमा से बात करती थी। लेकिन घटना रविवार को जब उन्होंने कई बार फोन लगाया तो नीलिमा की ओर से कोई जवाब नहीं आया। इसके बाद वे नीलिमा के घर पहुंचीं तो दरवाजे को अंदर से बंद पाया। कई बार घंटी बजाने और दरवाजा नॉक करने के बाद जब कोई रिस्पॉन्स नहीं मिला तो उन्होंने डुप्लीकेट चाबी से ताला खोला। दरवाजा खोलते ही उन्होंने नीलिमा को पंखे से लटकी पाया।

किसी को नहीं ठहराया जिम्मेदार

समता नगर पुलिस ने इसे सुसाइड का मामला मानकर प्राथमिक जांच शुरू कर दी है। समता नगर थाने के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक दिलीप यादव के मुताबिक, मौके से पुलिस को एक सुसाइड नोट मिला है, जिसमें नीलिमा ने अपनी मौत के लिए किसी को जिम्मेदार नहीं ठहराया है।

जुलाई महीने में स्वाईन फ्लू से पांच व लेप्टो से दो लोगों की मौत

मुंबई। शहर में स्वाइन फ्लू के मरीजों की संख्या लगातार बढती जा रही है जुलाई महीने में स्वाइन फ्लू से ग्रसित 538 नए मरीज पाये गए है। वहीँ इस बीमारी के चपेट में आने से मुंबई रहिवासी 5 लोगों की मौत हुई है, जबकि लेप्टो से भी 3 लोगों की मौत होने के साथ ही मलेरिया,गेस्ट्रो, डेंगू आदि मानसूनी बीमारियों के मरीजों में भी बढ़ोत्तरी हो रही है।

गौरतलब है कि मानसून के दौरान बड़े प्रमाण में मानसूनी बीमारियां फैलती है। मनपा से मिले आंकड़ों के अनुसार मुंबई में 1 से 26 जुलाई तक स्वाईन फ्लू के लगभग 538 मरीज पाए गए है। जिसमे से 378 मरीज मुंबई के व 160 मरीज मुंबई के बाहर के है। इस एक महीने में स्वाइन फ्लू से लगभग 5 लोगों की मौत हो गयी है। वहीँ लेप्टो से 3 लोगों की मौत होने का मनपा ने स्पष्ट किया है। जनवरी 2017 से जुलाई 2017 तक लगभग 3064 मरीज स्वाईन फ्लू के चपेट में आये है। इसी के साथ अन्य मानसूनी बीमारियों डेंगू, मलेरिया, गेस्ट्रो, हेपेटाइटिस के मरीजों की संख्या में लगातार बढ़ोत्तरी हो रही है। 16 से 26 जुलाई तक इन दस दिनों में डेंगू के 269 मरीज, मलेरिया के 232 मरीज, गेस्ट्रो के 339 मरीज, हेपेटाइटिस के 40 मरीज पाए गए हैं जिसकी जानकारी मनपा के स्वास्थ्य विभाग ने दी है। बता दें कि जुलाई महीने के शुरूआती पंद्रह दिनों में पिछले 15 दिनों में डेंगू के 28 मरीज, मलेरिया के 309 मरीज, गेस्ट्रो के 544 मरीज, हेपेटाइटिस के 88 मरीज पाए गए थे।

पीलर में की गई छेड़छाड़, अंधेरी का होटल

TREEBO 7 CEPL गिरने को तैयार

धड़ल्ले से जारी है जिस्मफरोशी का खेल

अवैध होटल में पानी, बिजली कनेक्शन कैसे?

लोगों की जान खतरे में

देवेंद्र फडनवीस
मुख्यमंत्री

अजोय मेहता
मनपा आयुक्त

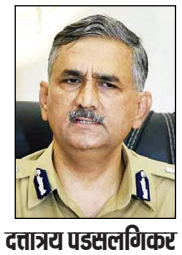

दत्तात्रय पडसलगिकर
मुं. पुलिस कमिश्नर

मुंबई। अंधेरी पूर्व में बैंक आफॅ बडौदा के पास स्थित इलाइट ऑटो हाउस के समीप होटल ट्रीबो 7 सीइपीएल, जो 7 कांटिनेटस एक्सप्रेस प्रा. लिमिटेड के पास बना है उसमें जमीन अतिक्रमण करके अवैध रूप से 24 कमरों का निर्माण किया गया है। सबसे हैरत की बात तो यह है कि इसके लिए इस होटल के पीलरों से छेड़छाड़ की गई है। जिस कारण यह इमारत कभी भी गिर सकती है। याद रहे कि ऐसे ही पीलर में छेड़छाड़ के कारण घाटकोपर में पिछले दिन हुए बिल्डिंग हादसे में 17 लोगों के मारे जाने और 50 से अधिक लोगों के घायल होने का मामला इन दिनों चर्चा का विषय बना हुआ है।

ट्रीबो 7 सीइपीएल के मालिक मैनेजर द्वारा होटल में बने सभी अवैध 24 कमरों को अपने ग्राहकों को इस्तेमाल करने के लिए देता है। यहां उनके लिए शराब और शबाब का पूरा इंतेजाम रहता है और निर्धारित समय सीमा के बाद भी बीती रात तक उनकी धमाचौकडी जारी रहती है। अपको बता दें कि इसके टेरिस पर हुआ निर्माण भी पूरी तरह से अवैध है। यहां न तो लोगों के लिए खुली जगह है और न ही अग्निशमन यत्रों की व्यवस्था। गंदगी को बाहर फेंकने लिए पाईपे तो लगी हैं लेकिन वे सभी बेतरतीब व खुले हैं जिस कारण यहां कभी भी कोई गंभीर दुर्घटना हो सकती है। इस होटल का मालिक अपनी निजी कमाई के लिए इसका खुलेआम दुरुपयोग

कर रहा है। इसने गाड़ियों की पार्किंग के लिए भी किसी प्रकार की कोई अनुमति नहीं ले रखी है और यहां पर बगैर अनुमति के गाडियों की पार्किंग की जाती है। जबकि टेरिस का इस्तेमाल पार्टियों के लिए भी किया जाता है जहां लोगों की उपस्थिति की कोई सीमा निर्धारित नहीं होती। इस कारण वहां जुटी भीड से कभी भी कोई बड़ा हादसा हो सकता है। इस बारे में जब होटल मालिक, संचालक और प्रबंधक से पूछा जाता है तो वे लोग सफाई

देने के बदले उल्टे शिकायत कर्ताओं को धमकी और उन्हें परेशान करने की कोशिश की जाती है। यहां तक कि आम सड़क पर अवैध पार्किंग की वजह से होटल मालिक की निजी संपत्ति बन गई है। जो खाद्य वस्तुए सुप्रीम कोर्ट ने प्रतिबंधित कर रखा है वे वस्तुए भी इस होटल में ग्राहकों को धडल्ले से परोसी जा रही है। इस होटल के मालिक ने बिजली और पानी का अवैध कनेक्शन भी इन विभाग के अधिकारियों को रिश्वत खिलाकर ले रखा है। लोगों ने इस समाचार पत्र को लिखकर मुख्यमंत्री, मनपा आयुक्त और पुलिस आयुक्त से इस अवैध होटल पर अविलंब कार्रवाई करते हुए इसके मालिक मैनेजर पर धोखाधड़ी व जालसाजी का मामला चलाकर उसपर एम.आर.टी.पी. और भारतीय कानून के तहत दंडित करने की मांग की है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

सोशल मीडिया और युवा

सोशल मीडिया से हमारी युवा पीढ़ी शायद हासिल तो कुछ नहीं पर पा रही है अपितु इसके दुष्प्रभावों से ग्रस्त अवश्य हो रही है। यही कारण है कि आए दिन ऐसी अजीब घटनाएं सुनने के लिए मिल रही हैं जिनके बारे में कोई आम व्यक्ति सोच भी नहीं सकता था। कहीं पर घरों की लड़कियां सोशल मीडिया पर अपलोड की गई विभिन्न प्रकार की फिल्मों से प्रभावित होकर रातोंरात अमीर बन कर अपने सपनों को सच करने के लिए घरों की दहलीज को लांघ रही हैं वहीं पर ऐसे मामले भी सामने आने लगे हैं कि युवा सोशल मीडिया के प्रभाव में आकर नशे जैसी लत से ग्रस्त होकर अपना जीवन तबाह कर रहे हैं। अभी हाल में पंजाब में एक ऐसा मामला सामने आया जिसने सभी को चौंका कर रख दिया है। इस मामले में दसवीं कक्षा के विद्यार्थियों ने सोशल मीडिया के चक्कर में अपने ही दोस्त, जो कि नौवीं कक्षा का विद्यार्थी है, के अपहरण का प्रयास किया। यह एक ऐसा कृत्य है जिसकी इन छात्रों से कभी अपेक्षा भी नहीं की जा सकती। स्कूलों का प्रबंधन देखने वालों को भी चाहिए कि वह विद्या के मंदिरों में मोबाइल जैसी वस्तुओं को पूरी तरह से प्रतिबंधित करें। स्कूल में बच्चे पढने के लिए आए हैं तो उनका एकमात्र लक्ष्य पढ़ाई ही होना चाहिए। मां-बाप को भी चाहिए कि वह अपने बच्चों की हर गतिविधि पर पूरी नजर रखें। बच्चों को अच्छे और बुरे का बोध करवाएं। उन्हें समझाएं कि सोशल मीडिया पर तो हर प्रकार की अच्छी व बुरी जानकारी उपलब्ध हैं परंतु हमें अच्छे और खुद को अपडेट रखने वाली जानकारियों को ही ग्रहण करना है। यह निगरानी रखना मां-बाप का फर्ज है कि सोशल मीडिया पर उनके बच्चे क्या देख रहे हैं। इसका अंदाजा मां-बाप उनके व्यवहार को देखकर भी लगा सकते हैं। अपराध की दुनिया में कदम रख चुके युवा भी सोशल मीडिया का सहारा ले रहे हैं। कुछ गैंगस्टर्स सोशल मीडिया पर अपने स्टेट्स अपडेट करते रहते हैं और कुछ तो अपने दुश्मनों को धमकियां तक देते हैं। हैरानी की बात यह है कि पुलिस ऐसी गतिविधियों को रोक नहीं पा रही है। जरूरी है कि उसका साइबर क्राइम सेल और मजबूत हो। इसके साथ-साथ युवा पीढ़ी को भी यह समझना होगा कि कोई भी तकनीक जब तक सकारात्मक रूप से इस्तेमाल की जाती है तब तक वरदान होती है, अगर उसका इस्तेमाल नकारात्मक रूप से किया जाए तो वहीं अभिशाप बन जाती है। इसलिए सोशल मीडिया का इस्तेमाल सोच-समझ कर, सकारात्मक ढंग से ही होना चाहिए।

सुविचार

नजरअंदाज करो उन लोगों को,
जो आपके बारे में
पीठ पीछे बात करते है,
क्योंकि वे उसी जगह रहने
लायक है आपके पीछे॥

खिसकती राजनीतिक जमीन पर विपक्ष

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने जिस तरह 20 माह के अंदर राजद और कांग्रेस के साथ बने अपने महागठबंधन को तोड़कर फिर से भाजपा के नेतृत्व वाले राजग के साथ जाने का फैसला किया वह बिहार के साथ-साथ राष्ट्रीय राजनीति को भी प्रभावित करने वाला घटनाक्रम है। उनके इस फैसले से विपक्ष कहीं ज्यादा कमजोर राजनीतिक जमीन पर दिखने लगा है। नीतीश ने अपने फैसले से साबित किया कि वह सुशासन के प्रति प्रतिबद्ध नेता की अपनी छवि से समझौता करने को तैयार नहीं। उन्हें सुशासन बाबू की उपाधि तब मिली थी जब उनका दल जदयू भाजपा के साथ मिलकर बिहार में सरकार चला रहा था। इस दौरान उन्होंने बिहार को बदहाली से बाहर निकालने का जो काम किया उसकी तारीफ आज भी होती है। 2013 में जब भाजपा और जद-यू स्वाभाविक सहयोगी के तौर पर काम कर रहे थे तब नीतीश ने भाजपा की ओर से प्रधानमंत्री पद के संभावित उम्मीदवार के रूप में नरेंद्र मोदी के नाम का विरोध करना आरंभ कर दिया। उन्होंने भाजपा की ओर से मोदी को प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित करने के पहले ही उसके साथ 17 साल पुराने रिश्ते तोड़ लिए। उस वक्त यह माना गया था कि उन्होंने अपना वोट बैंक बचाए रखने के लिए ऐसा फैसला लिया, क्योंकि वह भाजपा से तभी से दूरी बनाने लगे थे जबसे मोदी के बारे में यह चर्चा होने लगी थी कि वह राजग की ओर से पीएम पद के दावेदार हो सकते हैं। भाजपा से रिश्ते तोड़ने के बाद उन्होंने राजद और कांग्रेस के बाहरी समर्थन से सरकार चलाई, लेकिन जब 2014 के लोकसभा चुनाव में मोदी लहर के आगे बिहार में जदयू और राजद का लगभग सफाया हो गया तो वह लालू यादव से हाथ मिलाने के लिए मजबूर हुए। जल्द ही कांग्रेस भी उनके साथ आ गई और इस तरह महागठबंधन बना। इस महागठबंधन का उद्देश्य येन-केन-प्रकारेण भाजपा को पराजित करना था। इस उद्देश्य की प्राप्ति हुई और फिर नीतीश कुमार यहां तक कहने लगे कि वह भारत को संघ मुक्त बनाने का काम करेंगे।

राजद और कांग्रेस के साथ मिलकर सरकार बनाना नीतीश कुमार के लिए राजनीतिक रूप से भले ही सुविधाजनक रहा हो, लेकिन यह उनकी छवि पर भारी पड़ रहा था। नीतीश और लालू का राजनीतिक जीवन लगभग एक साथ शुरू हुआ था, लेकिन दोनों के राजनीतिक तौर-तरीके हमेशा से अलग रहे। इसीलिए महागठबंधन को बेमेल माना गया। इस गठजोड़ की नींव कमजोर थी। जल्द ही यह दिखने भी लगा था कि खोखली पंथनिरपेक्षता पर आधारित यह गठजोड़ ज्यादा दिन नहीं चलेगा। बेमेल गठबंधन के कारण बिहार में विकास का काम शिथिल होने लगा था और कानून एवं व्यवस्था से जुड़े सवाल भी बार-बार सिर उठाने लगे थे। लगता है कि नीतीश को तेजस्वी के गंभीर आरोपों से घिरने के पहले ही यह अहसास होने लगा था कि महागठबंधन में रहने के कारण उनकी राजनीतिक पूंजी का क्षरण हो रहा है। शायद इसी कारण उन्होंने भाजपा की ओर झुकाव दिखाना शुरू किया। सबसे पहले उन्होंने नोटबंदी के फैसले की तारीफ की और फिर बेनामी संपत्ति वाले विधेयक की। इसके बाद जब भाजपा ने बिहार के राज्यपाल रामनाथ कोविंद को राष्ट्रपति पद का उम्मीदवार बनाने का फैसला किया तो उन्होंने उनका भी समर्थन किया। हालांकि नीतीश का यह रवैया राजद और कांग्रेस को

रास नहीं आया, लेकिन वह अपने फैसले से डिगे नहीं। दरअसल उसी समय यह स्पष्ट होने लगा था कि वह जल्द ही महागठबंधन से अलग हो सकते हैं। इसके आसार तब और बढ़ गए थे जब तेजस्वी इस्तीफा न देने पर अड़ गए। राष्ट्रपति चुनाव के बाद नीतीश ने जिस तरह आनन-फानन इस्तीफा दिया और भाजपा ने उन्हें समर्थन देने का ऐलान किया उससे यही लगता है कि सब कुछ पहले ही तय हो गया था।

बिहार में यकायक हुए राजनीतिक परिवर्तन से 2019 के आम चुनाव में भाजपा के खिलाफ एकजुट होकर उतरने के विपक्ष के मंसूबे पूरी तरह ध्वस्त हो गए हैं। नीतीश को विपक्ष की संभावित एकता की प्रमुख धुरी माना जा रहा था और अब जब वह राजग से जुड़ गए तो विपक्ष के पास ऐसा कोई नेता नहीं बचा है जिसे मोदी को चुनौती देने वाले सशक्त चेहरे के रूप में पेश किया जा सके। कांग्रेस के लिए यह एक बड़ा झटका है, क्योंकि उसकी सोच यह थी कि वह क्षेत्रीय दलों की मदद से मोदी को चुनौती देने में सफल रहेगी। कांग्रेस को इस तरह का झटका पहली बार नहीं लगा। अपने उपाध्यक्ष राहुल गांधी के कारण उसे बार-बार मात खानी पड़ रही है।

इसके बावजूद वह चेतने और यह समझने को तैयार नहीं कि मौजूदा रीति-नीति से काम चलने वाला नहीं है। राहुल को यह जिम्मेदारी दी गई थी कि वह नीतीश कुमार को महागठबंधन के साथ रखें और किसी तरह लालू यादव को तेजस्वी के इस्तीफे के लिए मना लें। आखिर मामला भ्रष्टाचार के गंभीर आरोपों का था जिसके छींटें कांग्रेस पर भी पड़ रहे थे। इसके बावजूद राहुल नीतीश कुमार को यह आश्वासन नहीं दे पाए कि वह भ्रष्टाचार के मामले में सख्त रवैया अपनाएंगे और तेजस्वी से इस्तीफा देने को कहेंगे। पता नहीं क्यों राहुल लालू यादव को इसके लिए नहीं मना पाए कि विपक्षी एकता के लिए वह तेजस्वी के मंत्री पद को महत्व न दें जबकि एक समय उन्होंने ही भ्रष्ट नेताओं को राहत देने वाले अध्यादेश को फाड़ा था। जब बिहार में उथलपुथल जारी थी तब वहां के कांग्रेसी नेता राहुल से मिलने के लिए समय मांगते रहे, लेकिन वे तीन-चार दिन बाद भी खाली हाथ रहे। राहुल अपने नेताओं की ऐसी अनदेखी पहले भी कर चुके हैं। यही कारण है कि उनके नेतृत्व पर सवाल उठ रहे हैं।

विपक्षी दल महागठबंधन से अलग हुए नीतीश कुमार पर चाहे जो आरोप लगाएं, यह स्पष्ट है कि नीतीश के लिए बिहार में अपनी राजनीतिक जमीन बनाए रखना तभी संभव था जब उनकी छवि पर कोई दाग न आए। वह शायद इस नतीजे पर पहुंच चुके थे कि अगर लालू परिवार पर भ्रष्टाचार के आरोप इसी तरह लगते रहे तो 2019 के लोकसभा चुनाव में उनके लिए जनता को समझाना कठिन होगा। नीतीश ने भाजपा के साथ फिर से नाता जोड़कर अब तक हुए नुकसान की एक हद तक भरपाई कर ली है। उनके इस फैसले का एक लाभ यह भी होगा कि अब बिहार के लिए केंद्र की तमाम योजनाएं संकीर्ण राजनीति का शिकार नहीं होंगी। बिहार के राजनीतिक घटनाक्रम ने एक बार फिर साबित कर दिया कि 2014 के बाद से भाजपा को नेतृत्व दे रहे नरेंद्र मोदी और अमित शाह किसी भी मौके को छोड़ना नहीं चाहते। वे लगातार अपनी जमीन मजबूत करते जा रहे हैं और दूसरी ओर कांग्रेस बार-बार मौके गंवाती जा रही है और अपनी राजनीतिक जमीन भी खो रही है। कांग्रेस की इस दुर्गति के लिए खुद उसके उपाध्यक्ष राहुल गांधी ही अधिक जिम्मेदार हैं। उनकी राजनीतिक अकुशलता लगातार सामने आ रही है। कांग्रेस को इस पर विचार करना चाहिए कि नाकामी का सामना करने बाद भी वह कब तक नेतृत्व के लिए राहुल गांधी की तरफ देखती रहेगी।

नियम बनें, पालन भी हो

धार्मिक शोभायात्रएं, झलकियां, जुलूस सार्वजनिक स्थलों, व्यस्त मार्गो से निकालने के लिए नियम होने चाहिए और उतना ही जरूरी है कि उन पर अमल भी हो। जालंधर में इसी साल अप्रैल में शोभायात्र के दौरान हुए हादसे के बाद पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट में दायर याचिका में उठाई गई यह मांग मौजूं है। इस हादसे में रथ के तौर पर इस्तेमाल किए जा रहे ट्रक ने ही तीन लोगों को कुचल डाला था और 16 लोग घायल हो गए थे। घायलों में वे लोग भी थे जो शोभायात्र के मार्ग में बाजार में आए हुए थे। देश में कई घटनाएं धार्मिक शोभायात्रओं इत्यादि के दौरान होती हैं और उनमें जानें भी जाती रही हैं। क्योंकि ऐसे आयोजनों से सीधे-सीधे धार्मिक भावनाएं या आस्था जुड़ी होती है इसलिए कोई यह आवाज नहीं उठाता कि क्या गलत है और क्या सही। यदि नियमों-कायदों का पालन हो और सही तरह से ये आयोजन हों तो हादसों इत्यादि की आशंका बहुत कम हो सकती है। किसी भी आयोजन का मकसद किसी की सुरक्षा से खिलवाड़ कभी नहीं होता, न ही कोई यह चाहता है कि कोई ऐसा हादसा हो जिसमें किसी की जान पर बन आए। यह सब इसीलिए होता है क्योंकि सही -गलत पर कोई रोकता-टोकता नहीं। सही ढंग से समझाता नहीं। यह काम प्रशासन का है। कहीं रात-रात तक या भोर में ही जोर-जोर से लाउडस्पीकर बजते हैं, कहीं गली-मोहल्लों की सड़कों के बीच में ही टैंट लगाकर आयोजन कर लिए जाते हैं, कहीं तंग बाजारों से भारी भीड़ वाली यात्रएं निकाल ली जाती हैं और यह सुनिश्चित नहीं किया जाता कि भगदड़, आगजनी या अन्य किसी सूरत में लोगों के बचाव के पुख्ता प्रबंध है भी या नहीं। जैसा कि दायर याचिका में कहा गया है, सच यही है कि अक्सर सार्वजनिक स्थलों और सड़कों पर शोभायात्र निकालने से पहले नियमों का पालन नहीं किया जाता। क्या प्रशासन द्वारा यात्रओं-जलसों के मार्ग पर यह सुनिश्चित किया जाता है कि भीड़ की लिहाज से वह सुरक्षित भी है या नहीं? शायद बहुत कम। यह तय है कि जालंधर में हुए हादसे के मामले में भी ऐसी कई कमियां सामने आएंगी। ऐसे मामलों की जांच के लिए इतना समय नहीं लगना चाहिए। अगर हाईकोर्ट में यह याचिका दायर न हुई होती तो शायद सरकार व जिला प्रशासन इस मामले को ठंडे बस्ते में डाल चुका होता। यही प्रवृत्ति व्यवस्था को सुधरने नहीं देती। ऐसे मामलों की जांच जल्द पूरी होनी चाहिए, दोषियों को सजा मिलनी चाहिए, साथ ही कुछ ऐसे कदम भी जरूर उठाए जाने चाहिए जिनसे ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

बॉम्बे हाईकोर्ट का निदेर्श

जल्द बदला जाए दिलीप कुमार के नौकर का पता

मुंबई। महानगरपालिका (मनपा) की बेरुखी का शिकार हुए सुप्रसिद्ध फिल्म अभिनेता दिलीप कुमार व अभिनेत्री सायरा बानो के नौकर अलाउद्दीन खान को बॉम्बे हाईकोर्ट का सहारा मिला है। हाईकोर्ट ने कहा, आखिर मनपा क्यों खान के आवेदन पर विचार नहीं कर रही है? इस पर मनपा के वकील ने कहा कि हम आवेदन पर विचार करेंगे।

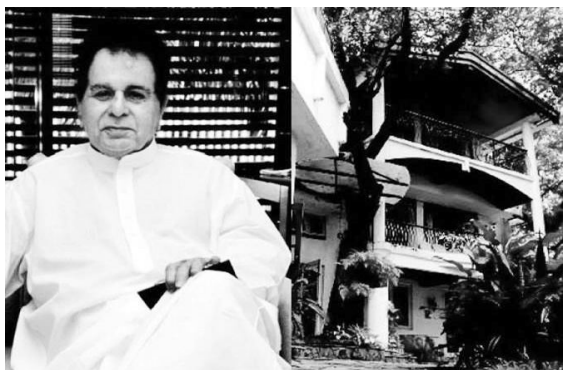

मनपा की इस रजामंदी पर खंडपीठ ने प्रशासन को एक महीने के भीतर खान के आवेदन पर निर्णय लेने का निर्देश दिया और याचिका को समाप्त कर दिया। दरअसल उत्तरप्रदेश से मुंबई आए अलाउद्दीन खान दिलीप कुमार के पालीहिल बगले में काम करते है। 16 नवंबर 2016 को बांद्रा के अस्पताल में अलाउद्दीन खान की पत्नी को एक बच्चा पैदा हुआ। अस्पताल में जब अलाउद्दीन खान के बच्चे के जन्म प्रमाणपत्र से जुड़ी औपचारिकता को पूरा किया जा रहा था तो गलती से अस्पताल ने स्थायी पते के रूप में दिलीप कुमार के बगले का पता लिख दिया। कुछ समय बाद अलाउद्दीन खान को अपनी गलती का एहसास हुआ तो वे जन्म प्रमाणपत्र में लिखे पते को बदलवाने बीएमसी पहुंचे थे। मुंबई महानगरपालिका के संबंधित अधिकारी के पास पहुंचे। वहां उन्होंने आवेदन किया कि जन्म प्रमाणपत्र में लिखे पते में बदलाव किया जाए। लेकिन मनपा अधिकारी पते में बदलाव करने से इनकार करते रहे। थक हार कर अलाउद्दीन खान को हाईकोर्ट में याचिका दायर करनी पड़ी।

यायमूर्ति अभय ओक व न्यायमूर्ति विभा कनकनवाडी की खंडपीठ के सामने याचिका सुनवाई हुई। इस दौरान अदालत ने कहा कि याचिका में खान ने कहा था कि उनका बच्चा दस महीने का है। उत्तरप्रदेश से आने के बाद वे कुछ दिनों के लिए सांताक्रुज इलाके में अपने रिश्तेदार के यहां रहते थे। इसके बाद उन्हें दिलीप कुमार के घर में काम मिल गया। इस बीच नवंबर 2016 को उनको एक बच्चा हुआ। जिसके जन्म प्रमाणपत्र में गलती से दिलीप कुमार के बगले का पता लिख दिया था। बाद में किसी तरह का विवाद न हो इसलिए वह जन्म प्रमाणपत्र के पते में बदलाव करना चाहता है।

रमाबाई कॉलोनी में आम जनता का चलना हुआ दुश्वार!

मुंबई। घाटकोपर पूर्व स्थित रमाबाई कॉलोनी में आजकल आम जनता का पैदल चलना दुस्वार हो गया है। जनता का कहना है की आंबेडकर पुतले से लेकर पवार चौक तक और सब्जी मंडी से लेकर गौसिया मस्जिद तक के रास्ते को यहाँ के फेरी वाले व फुटपाथ माफियाओं ने पूरी तरह कब्जा कर लिया है। जिसकी शिकायत के बाद भी कोई कुछ बोलने या करने को तैयार नहीं है।

प्राप्त जानकारी के मुताबिक प्रभाग 125 के अधीन आने वाले रमाबाई कॉलोनी की सभी सड़के आजकल फुटपाथ माफिया व फेरी वालों के कब्जे में हैं। जिसके चलते आम जनता का पैदल चलना भी कठिन हो गया है। महेंद्र अंदागले नामक समाज सेवक ने बताया की यहाँ के सब्जी मंडी व मछली मार्केट से भी पैदल गुजरना टेढ़ी खीर के बराबर है। महेंद्र के मुताबिक यहाँ मछली मार्केट के पास चप्पल वाले ने पूरी सड़क कब्जा करके रखा है। जिसकी शिकायत के बाद भी मनपा ने कोई कार्यवाई आज तक नहीं की है। इसी प्रकार यहाँ के तरुण मित्र मंडल, रॉयल स्पोर्ट क्लब के पास कचरों का अंबार लगाए जाने से पैदल चलना दुस्वार हुआ है। यहाँ पर संजय नामक मिटटी माफिया सक्रीय है। वह यहाँ मनपा व पुलिस के अधिकारियों से मिलकर भरणी खाली करवा कर बेचने का काम करता है। जिससे हमेशा यहाँ जाम लगा हुआ रहता है। महेंद्र का कहना है की अगर जल्द से जल्द इन लोगों पर कार्यवाई नहीं की गई तो यहाँ जोरदार धरना आंदोलन किया जाएगा जिसकी जिम्मेदारी पुलिस व मनपा के संबंधित अधिकारियो की होगी।

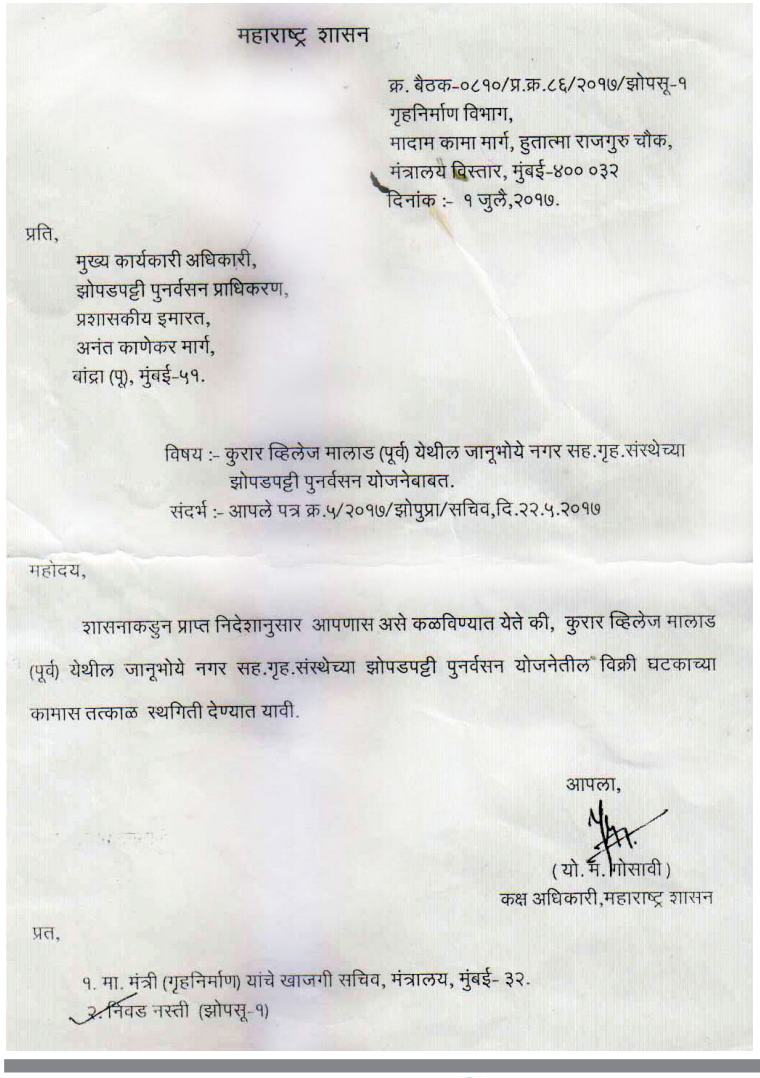

महाराष्ट्र शासन

क्र. बैठक-०८१०/प्र.क्र.८६/२०१७/झोपसू-१
गृहनिर्माण विभाग,
मादाम कामा मार्ग, हुतात्मा राजगुरु चौक,
मंत्रालय विस्तार, मुंबई-४०० ०३२
दिनांक :- १ जुलै,२०१७.

प्रति,
मुख्य कार्यकारी अधिकारी,
झोपडपट्टी पुनर्वसन प्राधिकरण,
प्रशासकीय इमारत,
अनंत काणेकर मार्ग,
वांद्रा (पू), मुंबई-५१.

विषय :- कुरार व्हिलेज मालाड (पूर्व) येथील जानूभोये नगर सह.गृह.संस्थेच्या झोपडपट्टी पुनर्वसन योजनेबाबत.
संदर्भ :- आपले पत्र क्र.५/२०१७/झोपुप्रा/सचिव,दि.२२.५.२०१७

महोदय,

शासनाकडुन प्राप्त निदेशानुसार आपणास असे कळविण्यात येते की, कुरार व्हिलेज मालाड (पूर्व) येथील जानूभोये नगर सह.गृह.संस्थेच्या झोपडपट्टी पुनर्वसन योजनेतील विक्री घटकाच्या कामास तत्काळ स्थगिती देण्यात यावी.

आपला,
(यो. मे. गोसावी)
कक्ष अधिकारी,महाराष्ट्र शासन

प्रत,
१. मा. मंत्री (गृहनिर्माण) यांचे खाजगी सचिव, मंत्रालय, मुंबई- ३२.
२. निवड नस्ती (झोपसू-१)

(पृष्ठ 1 का शेष)

ओमकार बिल्डर और पुनर्वसन अधिकारी में...

जबकि महाराष्ट्र मंत्रालय द्वारा झोपडपट्टी पुनर्वसन प्राधिकरण के मुख्य कार्यकारी अधिकारी को जानू भोयेनगर में इन 94 लोगों की जमीन पर ओमकार बिल्डर के निर्माण को रोकने का आदेश पत्र द्वारा 1 जुलाई को दिया गया है। लेकिन झोपडपट्टी पुनर्वसन प्राधिकरण के मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने मंत्रालय के आदेश को कोई भाव नहीं दिया और उसे रद्दी की टोकरी में फेंक डाला। उन्होंने ओमकार बिल्डर-डेवलपर्स द्वारा किये जा रहे निर्माण को रुकवाने में कोई दिलचस्पी नहीं ली। पीडित रहिवासियों के अनुसार इस अधिकारी को ओमकार बिल्डर ने भारी रिश्वत खिलाई है जिस कारण वह उनकी जमीन पर उन लोगों को बेदखल करके बिल्डिंग का निर्माण कर रहा है। जानू भोयेनगर के अपने घर से बेदखल हुए रहिवासी पिछले कई महीनों से धरने पर बैठे हैं। ओमकार बिल्डर के दलालों द्वारा उन्हें जमीन छोडने के लिए धमकियां भी दी जा रही हैं। ओमकार बिल्डर-डेवलपर्स का खुलेआम कहना है कि मंत्रालय या सरकार चाहे कितना भी आदेश जारी कर ले मेरा काम रुकने वाला नहीं है। सभी बेघर लोगों ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडनवीस से न्याय दिलाने के साथ ओमकार बिल्डर के खिलाफ कडी कार्रवाई की मांग की है।

कलाम की मूर्ति के पास...

वे चाहते हैं कि ये विवाद यहीं खत्म हो जाए। बता दें कि डॉ. कलाम की दूसरी पुण्यतिथि पर नरेंद्र मोदी ने यहां कलाम मेमोरियल का इनॉग्रेशन किया था। यहां रखी कलाम की मूर्ति में पूर्व राष्ट्रपति के हाथ में वीणा रखी है और उसके पास में भगवत गीता रखी हुई है। डॉ. कलाम के रिलेटिव्स शेख दाऊद और सलीम ने न्यूज एजेंसी से कहा, डॉ. कलाम पूरे देश की जनता के लीडर थे। कोई भी ये नहीं चाहता है कि इस पर राजनीति हो। डीआरडीओ के अधिकारियों ने इस मेमोरियल को बनाने के लिए बड़ी मेहनत की है। कलाम की मूर्ति के पास भगवत गीता का स्कल्प्चर बनाने के पीछे उनकी कोई गलत मंशा नहीं थी। अब हमने इसके पास कुरान और बाइबिल की भी एक कॉपी रख दी है। हम जल्द ही इस मूर्ति के पास तमिल ग्रंथ थिरुक्कुरल भी रख देंगे। एमडीएमके के स्पोक्सपर्सन ने कहा कि पार्टी फाउंडर वाइको ने पहले ही इस मूर्ति के पास गीता रखने पर सवाल उठाया है। उन्होंने कहा कि कलाम की मूर्ति के पास गीता रखने की क्या वजह है। एक पीएमके लीडर ने नाम ना बताने की शर्त पर कहा, कलाम इस देश की पूरी जनता के राष्ट्रपति थे। इस किताब को वहां क्यों रखा गया है? कलाम मेमोरियल का इनॉगरेशन 27 जुलाई 2017 को नरेंद्र मोदी ने किया। 15 करोड़ की लागत से ये मेमोरियल कलाम के पैतृक गांव पैकराम्बु में बनाया गया है। डिफेंस रिसर्च एंड डेवलपमेंट ऑर्गनाइजेशन ने इस मेमोरियल को बनाया है, जिससे कलाम जुड़े रहे। इसमें उन रॉकेट्स और मिसाइल की रेप्लिका रखी गई है, जिन पर डॉ. कलाम ने काम किया था। यहां कलाम का एक वुडेन स्टेचू भी है, जिसमें कलाम वीणा बजाते हुए दिख रहे हैं। यहां कलाम की 900 पेंटिंग और 200 रेयर फोटोग्राफ हैं।

अब यादव वोट-बैंक में सेंध...

इस मौके पर सीएम योगी आदित्यनाथ, बीजेपी इंचार्ज ओम माथुर, डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य, डॉक्टर दिनेश शर्मा और दूसरे मंत्री भी शरीक रहे। इस लंच में बड़ी संख्या में बूथ सतह के यादव कार्यकर्ता भी शरीक हुए। इस दौरे पर अपनी बैठक में अमित शाह ने पार्टी के पदाधिकारियों और कार्यकताओं को समाजवादी पार्टी के वोट-बैंट में घुसने के तरीके भी बताए और इसी कड़ी में सोनू यादव के घर लंच किया। यादव पट्टी के इस लंच में मटर पनीर, भिंडी, आलू, रायता, रोटी और चावल परोसे गए। अपने घर पर अमित शाह, योदी आदित्यनाथ की मौजूदगी से अभिभूत सोनू यादव ने कहा, हमें ताज्जुब है और पार्टी अध्यक्ष को अपने घर पर खाना परोसकर गौरवान्वित महसूस कर रहा हूं।

इस बार स्वतंत्रता दिवस पर पीएम मोदी के भाषण में होगा बड़ा बदलाव

स्वतंत्रता दिवस की तैयारियां अभी से जोरो-शोरों से शुरू हो गई हैं। वहीं इस बार स्वतंत्रता दिवस पर लाल किले की प्राचीर से इस बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का राष्ट्र के नाम संबोधन थोड़ा छोटा रहेगा। मोदी ने आज आकाशवाणी पर मन की बात कार्यक्रम में खुद इस बात की घोषणा की। उन्होंने कहा कि उन्हें लगातार यह शिकायत मिल रही थी कि स्वतंत्रता दिवस पर उनका भाषण बहुत लंबा हो जाता है इसलिए उन्होंने तय किया है कि इस बार वह अपने भाषण को छोटा रखेंगे। प्रधानमंत्री ने कहा कि पिछले 3 बार के मेरे 15 अगस्त के भाषणों के बारे में मुझे एक शिकायत लगातार सुनने को मिली है कि मेरा भाषण थोड़ा लंबा हो जाता है। इस बार मैंने मन में कल्पना तो की है कि मैं इसे छोटा करूं। ज्यादा से ज्यादा 40-45 या 50 मिनट में पूरा करूं। मैंने मेरे लिए नियम बनाने की कोशिश की है; पता नहीं, मैं कर पाऊंगा कि नहीं कर पाऊंगा। लेकिन मैं इस बार कोशिश करने का इरादा रखता हूं कि मैं मेरा भाषण छोटा कैसे करूं! देखते हैं, सफलता मिलती है कि नहीं मिलती है। उन्होंने कहा कि 15 अगस्त को उन्हें देश के प्रधान सेवक के रूप में लाल किले से देश के साथ संवाद करने का अवसर मिलता है। उन्होंने कहा कि वहां एक व्यक्ति नहीं बोलता बल्कि लाल किले से सवा-सौ करोड़ देशवासियों की आवाज गूंजती है। उनके सपनों को शब्दबद्ध करने की कोशिश होती है। उन्होंने कहा कि हर बार की तरह वह लोगों का आह्वान करते हैं कि वह भाषण के लिए अपने सुझाव भेजें और वह इन्हें संबोधन में शामिल करने की कोशिश करेंगे। ये सुझाव नरेंद्र मोदी एप और Mygov Website पर भेजे जा सकते हैं। उल्लेखनीय है कि लाल किले से स्वतंत्रता दिवस पर मोदी पिछले तीन वर्षों से लगभग एक घंटे या उससे अधिक समय तक बोलते रहे हैं।.

जय श्रीराम बोलने पर नीतीश के इकलौते मुस्लिम मंत्री के खिलाफ फतवा जारी

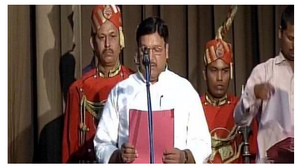

नीतीश सरकार की कैबिनेट में एक मात्र मुस्लिम मंत्री खुर्शीद अहमद उर्फ फिरोज के खिलाफ फतवा जारी किया गया। बिहार के नवगठित एनडीए सरकार के विश्वास मत के दिन विधानसभा परिसर में जय श्रीराम का नारा लगाने पर अहमद को इमारत-ए-शरिया के मुफ्ती सुहैल अहमद कासमी ने इस्लाम से बेदखल करने का फतवा जारी किया है। मंत्री का निकाह भी रद कर दिया गया है। फतवा जारी होने के बाद फिरोज ने कहा कि मैं इमारत शरिया का सम्मान करता हूं। उन्हें फतवा जारी करने से पहले मेरा इरादा पूछना चाहिए था। हम सभी इंसान हैं और इस्लाम का कहना है कि किसी से नफरत नहीं करो।

100 बार बोलूंगा जय श्रीराम

उन्होंने कहा कि बिहार के विकास और समरसता के लिए मैं जय श्रीराम कहूंगा। मैं अपने इस कथन से कभी भी कदम पीछे नहीं हटूंगा। बिहार के लिए मैं 100 बार जय श्रीराम बोलूंगा। खुर्शीद पश्चिम चंपारण जिले के सिकटा सीट से जदयू के विधायक हैं। नीतीश मंत्रिमंडल में खुर्शीद को अल्पसंख्यक कल्याण और गन्ना उद्योग विभाग सौंपा गया है। गौरतलब है कि नीतीश कुमार के महागठबंधन से अलग होने पर आरजेडी नेता और बिहार के नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने कहा तंज कसते हुए कहा था कि नीतीश कुमार हे राम से जय श्रीराम बोलने लगे हैं।

मोदी मंत्रिमंडल में फेरबदल की तैयारी

अगर दीवारों के कान होते हैं और खबरें अपने प्रस्फुटन से पहले कुलांचें भरती हैं तो 17 अगस्त के आसपास प्रधानमंत्री मोदी अपनी कैबिनेट में एक बड़ा फेरबदल कर सकते हैं। सूत्रों की मानें तो मोदी अपने सबसे विश्वस्त सहयोगी अमित शाह को देश का अगला रक्षा मंत्री बना सकते हैं। अमित शाह गुजरात से राज्यसभा में एंट्री ले रहे हैं, जानने वाले तो यह भी दावा कर रहे हैं कि अब राज्यसभा में भाजपा की कमान भी शाह के हाथों में आ सकती है और वह अरुण जेतली की जगह नेता सदन बनाए जा सकते हैं। भले ही ऊपरी सदन में भाजपा अब भी अल्पमत में हो, पर शाह के नए सिपासी तेवर सदन में भाजपा की मंशाओं को एक नई धार दे सकते हैं। माना जा रहा है कि शाह को सामने लाकर मोदी काम के बोझ से दबे जेतली को भी थोड़ा आराम देना चाहते हैं। सदन की कार्रवाइयों से फारिग होकर जेतली अपने अहम वित्त मंत्रालय के कामकाज पर भी और ध्यान दे सकते हैं। समझा जाता है कि अब बहुत हद तक यह कमी शाह पूरी कर सकते हैं, अगर एक बार वह कैबिनेट की जिम्मेदारी संभालते हैं तो दोनों ही सदनों में उनका आना-जाना लगा रहेगा, इस वजह से वह दोनों ही सदनों में भाजपा सदस्यों पर अपनी पैनी नजर रख पाएंगे। पर भाजपा के शीर्ष नेतृत्व से जुड़े सूत्र इसे मात्र अटकलें करार दे रहे हैं, इनका कहना है शाह मंत्री बनने के बजाय गुजरात, हिमाचल प्रदेश, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और कर्नाटक के आसन्न विधानसभा चुनावों को मद्देनजर रखते अपनी व्यूह रचना को अंतिम रूप देने में सक्रिय रहेंगे। अगर वह कैबिनेट मंत्री बन जाते हैं तो उन्हें पार्टी अध्यक्ष पद छोडना पड़ सकता है, चूंकि वर्ष 2019 के आम चुनावों में अभी मात्र 2 वर्षों का ही समय बचा है। चुनावे स्वयं मोदी शाह को लेकर इतना बड़ा रिस्क नहीं लेना चाहेंगे।

राम, मुरली व भूपेन्द्र को ईनाम - नार्थ ईस्ट में भाजपा की बम्पर जीत के 3 नायकों का ईनाम बनता है, ये तीनों भगवा नेता हैं- राम माधव, मुरलीधर राव और भूपेंद्र यादव। 11 अगस्त को संसद का मानसून सत्र खत्म हो रहा है, उम्मीद जताई जा रही है कि इसके अगले हफ्ते यानी 17 अगस्त के आसपास मोदी मंत्रिमंडल के चेहरे-मोहरे में व्यापक बदलाव लाया जा सकता है। फिलवक्त कई बड़े मंत्रालय खाली पड़े हैं और उन्हें सीनियर मंत्री अतिरिक्त प्रभार के तौर पर चला रहे हैं। खबर है कि स्वास्थ्य मंत्री जे.पी. नड्डा को हिमाचल भेजा जा सकता है, जहां वह भाजपा की ओर से मुख्यमंत्री पद के चेहरे होंगे। आंध्र के ईस्ट गोदावरी के अमालापुरम से आने वाले राम माधव ने हालिया दिनों में मोदी-शाह के कई ह्यडैमेज कंट्रोलह्ल प्रोग्राम को सफलतापूर्वक अंजाम दिया है, सो मुमकिन है कि उन्हें अनिल माधव दवे के निधन से रिक्त हुई राज्यसभा सीट पर लाया जा सकता है। इस सीट का टर्म 2022 तक है। मुरलीधर राव को वेंकैया नायडू द्वारा रिक्त की जा रही राज्यसभा सीट से लाया जा सकता है, यह सीट राजस्थान से है। यानी भाजपा में आने वाले दिन पुरस्कार वितरण के हैं, मुमकिन है कि कुछ असफल योद्धाओं पर पार्टी की गाज भी गिरे।

योगी के डिप्टी दिल्ली में - उत्तर प्रदेश के डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य क्या अगस्त के फेरबदल में मोदी कैबिनेट में शामिल हो सकते हैं? सियासी जानकार इसकी 2 प्रमुख वजह बता रहे हैं, एक तो अगर मौर्य यूपी में उप मुख्यमंत्री बने रहते हैं तो उन्हें लोकसभा की अपनी सदस्यता छोडनी होगी। फिलवक्त मौर्य इलाहाबाद से लगे फूलपुर से भाजपा के सांसद हैं। भाजपा को खबर मिली है कि राज्यसभा से इस्तीफा देने के बाद बसपा नेत्री मायावती की नजरें भी फूलपुर लोकसभा क्षेत्र पर टिकी हैं। अगर मौर्य यह सीट छोड़ते हैं तो इसके बाद होने वाले उप चुनाव में मायावती भी अपना पर्चा यहां से दाखिल कर सकती हैं, चूंकि फूलपुर में दलित वोटरों की अच्छी-खासी तादाद है। चुनावे यहां से किसी हल्के-फुल्के भाजपा उम्मीदवार के लिए मायावती को पटखनी देना किंचित आसान नहीं होगा। सो भाजपा का शीर्ष नेतृत्व चाहता है कि मौर्य फूलपुर से सांसद बने रहें, बदले में उन्हें केन्द्र सरकार में राज्य मंत्री बनाया जा सकता है। मौर्य को लखनऊ से बेदखल करने की एक और वजह हो सकती है। सूत्र बताते हैं कि इन दिनों सी.एम. योगी और उनके दरम्यान तलवारें खिंची हुई हैं और भाजपा का शीर्ष नेतृत्व लखनऊ में ऐसा कोई तमाशा नहीं चाहता है। सो मुमकिन है कि केशव को दिल्ली की ठौर पकडनी पड़ जाए।

चीन ने भारत को दिखाई सेना की ताकत

चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने इनर मंगोलिया के झूरिहे स्थित देश के सबसे बड़े सैन्य अड्डे में पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) के 90वें स्थापना दिवस पर आयोजित भव्य परेड का निरीक्षण किया। सैन्य सूट पहने 64 वर्षीय शी एक खुली जीप में जवानों के सामने से गुजरे और इस दौरान लाउड स्पीकर में सैन्य संगीत बज रहा था। शी सेंट्रल मिलिट्री कमीशन के प्रमुख हैं जिसके पास दुनिया की सबसे बड़ी सेना पीएलए का पूर्ण नियंत्रण है। समारोह का सरकारी टीवी और रेडियो पर सीधा प्रसारण किया गया।

1 अगस्त 1927 को हुई थी पीएलए की स्थापना - पीएलए की स्थापना 1 अगस्त 1927 को तब की गई थी जब माओ त्सेतुंग के नेतृत्व में सतारूढ़ सीपीसी ने उनके राष्ट्रीय मुक्ति आंदोलन को आगे बढ़ाया था। यह उन दुर्लभ राष्ट्रीय सेनाओं में से एक है, जो चीनी सरकार की बजाय अब भी सीपीसी के नेतृत्व में काम करती हैं।

12,000 जवानों ने दिखाया दम - इस परेड में करीब 12,000 जवानों ने हिस्सा लिया और 129 विमान तथा 571 उपकरणों का इस दौरान प्रदर्शन किया गया। डोंगफेंग मिसाइलें (जिसमें छोटी, बढे और मध्यम रेंज के रॉकेट शामिल हैं) और लाइट टैंक तथा ड्रोन सहित विभिन्न तरह के हथियारों का इस दौरान प्रदर्शन किया गया। सैनिकों ने हेलीकॉप्टर से युद्ध के समय तीव्रता से उतरने और युद्ध के लिए तैयार होने की भूमिका का प्रदर्शन किया। यह परेड ऐसे समय में आयोजित की गई जब सिक्किम क्षेत्र के डोकालाम में भारत और चीनी सैनिकों के बीच एक माह से गतिरोध चल रहा है। चीन डोकालाम के अलावा उत्तर कोरिया की स्थिति और अमेरिका द्वारा दक्षिण कोरिया में टर्मिनल हाई एल्टिट्यूड एरिया डिफेंस (थाड) मिसाइल की तैनाती करने को लेकर भी चिंतित है।

जावड़ेकर ने लगाई प्रोफेसर को लताड़, टीचर ने कहा- सरकार ही नौकरी देने में नाकाम

बेरोजगारी, महंगाई के साथ बढ़ते खर्चों ने उच्च शिक्षितों को अपने लक्ष्य से भटका दिया है। पीएचडी और प्रोफेशनल डिग्रीधारी तमाम बेरोजगार संविदा सफाई कर्मचारी बनने की कतार में खड़े हो गए हैं। पीएचडी के बाद भी स्टूडेंट साफ-सफाई वाली नौकरी के लिए अप्लाई कर रहा है। इस मुद्दे पर मानव संसाधन विकास मंत्री प्रकाश जावड़ेकर और एक प्रोफेसर के बीच मतभेद देखने को मिला। उन्होंने कहा कि अगर कोई पीएचडी करने के बाद भी साफ-सफाई वाली नौकरी के लिए अप्लाई कर रहा तो इसका मतलब साफ है कि उसको कुछ पढ़ाया नहीं गया। दोनों ने अपनी-अपनी बात संघ से जुड़े संगठनों द्वारा करवाए गए एक कार्यक्रम में कही। यह कार्यक्रम उच्च शिक्षा पर बातचीत के लिए रखा गया था।

उच्च शिक्षा पर बातचीत के लिए रखा गया कार्यक्रम - जानकारी के मुताबिक, कार्यक्रम में जावड़ेकर बोले कि पीएचडी का मतलब कि जो जानते हैं उससे कुछ अतिरिक्त जाना जाए। लेकिन भारत में पहले से जानने वाली चीज की दूसरे ढंग से व्याख्या कर देने को पीएचडी कहा जा रहा है। वहां मौजूद प्रोफेसर वाई एस लोन ने कहा कि अगर पीएचडी वाले स्वीपर की नौकरी के लिए अप्लाई कर रहे हैं तो इसका मतलब साफ है कि नौकरी देने में सरकार विफल रही है। दोनों ने अपनी-अपनी बात संघ से जुड़े संगठनों द्वारा करवाए गए एक कार्यक्रम में कही। यह कार्यक्रम उच्च शिक्षा पर बातचीत के लिए रखा गया था। लोन जवाहर लाल नेहरू यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर हैं। वे वहां स्कूल ऑफ आर्ट्स एंड एसथेटिक्स (कला और सौंदर्यशास्त्र) में प्रोफेसर हैं। लोन ने आगे कहा कि पहले से जिस चीज को जानते हैं उसको और अच्छे से समझना भी पीएचडी ही है क्योंकि उससे ही नया सोचने की स्थिति पैदा होती है। लोन ने आगे कहा कि उनके पास ऐसे कई उदाहरण हैं कि पीएचडी करने वाला 15,000 रुपए महीने की नौकरी कर रहा है जो कि किसी सरकारी सफाई वाले से भी कम है। जावड़ेकर की बात से और भी कई लोग सहमत नहीं थे।

पुलवाला में दो आतंकी ढेर
सर्च ऑपरेशन जारी

पुलवामा के तहाब इलाके में सुरक्षा बलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़ में दो आतंकी ढेर हो गए हैं। इस इलाके में आतंकियों के छिपे होने की आशंका को लेकर सुरक्षा बलों ने सर्च ऑपरेशन चलाया था। मुठभेड़ में दोनों तरफ से भीषण गोलाबारी हुई और दो आतंकवादी मारे गए। मारे गए आतंकियों से एक रछफ और एक कटरअर राइफिल बरामद हुई है। सैन्य बलों को उम्मीद है कि और भी आतंकी इस इलाके में छिपे हुए हैं। ऐसे में फिलहाल सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है।

नवाज ने पाकिस्तानियों की ईमानदारी और नेकी पर उठाया सवाल !

बेइमानी के मामले में सुप्रीम कोर्ट द्वारा अयोग्य करार दिए जाने की टीस झेल रहे नवाज शरीफ ने सवाल उठाया है कि क्या पाकिस्तान में बाकी सब लोग सादिक और अमीन यानि ईमानदार और नेक हैं। पाकिस्तान की शीर्ष अदालत ने शुक्रवार को शरीफ को बेइमानी के मामले में अयोग्य करार दिया था और व्यवस्था दी थी कि उनके और उनके बच्चों के खिलाफ पनामा पेपर कांड को लेकर भ्रष्टाचार के मामले दर्ज किए जा सकते हैं जिसके बाद उन्हें प्रधानमंत्री पद छोडने पड़ा।

पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज :पीएमएल-एनः के नेताओं को कल संबोधित करते हुए शरीफ ने कहा था, आपको इस बात पर गर्व होना चाहिए कि आपके नेता पर भ्रष्टाचार का एक भी दाग नहीं है। उन्होंने पीएमएल-एन के संसदीय दल की बैठक में कहा, मुझे इस बात पर गर्व है कि मुझे भ्रष्टाचार के आरोपों में अयोग्य घोषित नहीं किया गया है। इस बैठक में नवाज शरीफ के भाई और पंजाब के मुख्यमंत्री शहबाज शरीफ को उनका उत्तराधिकारी घोषित किया गया।

पूर्व प्रधानमंत्री ने दावा किया कि उन्होंने कभी रिश्वत या कमीशन नहीं लिया और कभी सिद्धांतों से समझौता नहीं किया। उन्होंने उच्चतम न्यायालय के फैसले का जिक्र करते हुए कहा, जब मैंने कभी वेतन ही नहीं लिया तो घोषित क्या करता। शरीफ ने कहा, आप जब कुछ लेते हैं तो समस्या है, आप कुछ नहीं लेते तो भी समस्या है। उन्होंने कहा, क्या मेरे परिवार को जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए? क्या इस देश में बाकी सब सादिक (ईमानदार) और अमीन (नेक) हैं?

राजनाथ सिंह को मिल सकता है रक्षा मंत्रालय!

योगी आदित्यनाथ को मुख्यमंत्री बनाए जाने के बाद राजनाथ सिंह का उत्तर प्रदेश में प्रभाव काफी कम हो गया है। वह अब उत्तर प्रदेश के राजपूत समुदाय के जिम्मेवार नेता नहीं रहे। आदित्यनाथ भी राजपूत हैं और जिस तरह राज्य की स्थिति है यह राजपूतों के लिए अच्छा है। सभी नौकरशाहों और पुलिस पर राजपूतों का दबदबा है और योगी एक नए नेता के रूप में उभरे हैं इसलिए राजनाथ का समय समाप्त हो रहा है।

यद्यपि उनको रक्षा मंत्रालय में भेजे जाने से कैबिनेट में उनका नंबर-2 का दर्जा समाप्त नहीं होगा। यह बात नहीं कि राजनाथ महत्वपूर्ण नेता नहीं। उनको रक्षा मंत्रालय में भेजने से पाकिस्तान और अन्य देशों को एक कड़ा संदेश भी होगा।

गोपालकृष्ण के भांजे द्वारा उनकी उपराष्ट्रपति पद की उम्मीदवारी का विरोध

गोपाल कृष्ण गांधी के भांजे श्रीकृष्ण कुलकर्णी ने उनकी उप राष्ट्रपति पद की उम्मीदवारी का विरोध किया। इसके लिए उन्होंने एक पत्र भी लिखा। कृष्ण ने पत्र में कांग्रेस पर वंशवाद की राजनीति करने का भी आरोप लगाया। गोपालकृष्ण की उम्मीदवारी पर कृष्ण ने लिखा कि महात्मा गांधी के कट्टर आलोचक भी इससे इनकार नहीं करेंगे कि गांधीजी ने जन्म के कारण मिलने वाले अधिकारों का विरोध किया था। कांग्रेस पार्टी पर नेहरू-गांधी परिवार के एकछत्र राज पर वार करते हुए कृष्ण ने कहा कि नेहरू-गांधी परिवार ने राजवंश को फिर से स्थापित कर दिया। कांग्रेस की प्रेजिडेंट इस पोजिशन पर पिछले 18 सालों से हैं उनकी जगह लेने के लिए उनका बेटा तैयार है। इतने सब के बावजूद आप उनके उम्मीदवार बनने को तैयार हैं? वंशवाद से घिरे होकर आपके नामांकन पत्र भरने की तस्वीरों को देख मुझे बेचैनी हो गई थी।

कृष्ण ने लिखा-मुझे माफ करें गोपू मामा

कृष्ण ने लिखा कि इतने सालों में इतने सारे घोटाले और आपकी एक टिप्पणी भी नहीं। क्या आपको लगता है कि यह सबकुछ राजनीतिक साजिश है? आखिर में कृष ने लिखा कि मुझे माफ करें गोपू मामा, लेकिन आपके इस निर्णय से मेरे अंदर विश्वास नहीं जागता, बल्कि यह विश्वासघात है। मेरे अंदर आपके लिए स्नेह कभी कम नहीं होगा। उपराष्ट्रपति की दौड़ में मेरी शुभकामनाएं आपके साथ। इसी बीच गोपाल कृष्ण गांधी नेशनल डेमोक्रेटिक एलायंस (एनडीए) के उम्मीदवार वेंकैया नायडू से टीवी चैनल पर बातचीत करना चाहते हैं। इसके लिए उन्होंने राज्य सभा टीवी को एक पत्र भी लिखा है। पत्र में उन्होंने साफ कहा कि वह पैनल डिसकशन होगा कोई डिबेट नहीं। गोपाल कृष्ण गांधी ने तर्क दिया है कि इस प्रोग्राम को देखने वाले दर्शकों को भी बहुत ही नई जानकारी मिलेंगी। उन्होंने लिखा कि मेरी इच्छा है कि राज्य सभा टीवी पैनल डिसकशन करवाए। यह डिबेट ना होकर बातचीत होनी चाहिए।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

कोस्ट गार्ड ने 3500 करोड़ की हेरोइन पकड़ी, अब तक की सबसे बड़ी बरामदगी

अहमदाबाद। गुजरात के समुद्री इलाके में चलाए गए एक स्पेशल ऑपरेशन के बाद इंडियन कोस्ट गार्ड ने 1500 किलोग्राम हेरोइन बरामद की। इंटरनेशनल मार्केट में इसकी कीमत 3500 करोड़ रुपए है। खबर के मुताबिक, देश में एक बार में इतनी हेरोइन पकड़े जाने का यह पहला मामला है। जानकारी के मुताबिक, तीन दिन तक कोस्ट गार्ड और कमांडो टीम इस इस जहाज का पीछा करते रहे, जिससे ये हेरोइन बरामद की गई है।

क्या है मामला : *खबर के मुताबिक, तीन दिन पहले कोस्ट गार्ड को इन्फॉर्मेशन मिली थी थी कि गहरे समुद्र में घूम रहे एक जहाज पर कुछ संदिग्ध लोग हैं। इनके पास कुछ गैरकानूनी सामान हो सकता है। इसके बाद इंटेलीजेंस ब्यूरो, पुलिस, कस्टम और नेवी ने कोस्ट गार्ड के साथ मिलकर ऑपरेशन की तैयारी की। इंडियन कोस्ट गार्ड के शिप समुद्र पावक को इस जहाज के पीछे लगाया गया। जहाज के करीब पहुंचकर कमांडो एक बोट से इसके पास पहुंचे और जहाज पर चढ़ गए। इन कमांडोज ने जहाज को अपने कब्जे में ले लिया।*

पेटियों में बंद थी हेरोइन

कमांडोज ने जब जहाज की तलाशी लेना शुरू किया तो वो हैरान रह गए। जहाज पर अलग-अलग पेटियों में करीब 1500 किलोग्राम हेरोइन मिली। ये हेरोइन अलग-अलग कलर के पैकेट्स में मौजूद थी। जहाज पर 8 लोग थे और ये सभी भारतीय हैं। इन सभी को हिरासत में ले लिया गया। पांच एजेंसियां मिलकर इनसे पूछताछ कर रही हैं। ये पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि इतना बड़ा ड्रग कन्साइनमेंट आखिर कहां से लाया जा रहा था और इसे किसको सौंपा जाना था। डिफेंस पीआरओ अभिषेक मैटिमन ने न्यूज एजेंसी से बातचीत में माना कि इससे पहले इतना बड़ा कन्साइनमेंट पहले कभी नहीं पकड़ा गया। अभिषेक ने कहा कि इस जहाज को किनारे लाकर उसकी नए सिरे से तलाशी ली जाएगी। जांच एजेंसियों ने अभी तक गिरफ्तार लोगों के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं दी है।

दहेज न देने पर लखनऊ में गर्भवती पत्नी को घर से निकाला

लखनऊ। दहेज में प्लॉट व नकदी न मिलने पर पीएसी के प्लाटून कमांडर रणधीर सिंह ने गर्भवती पत्नी को घर से निकाल दिया। पीड़िता ने चिनहट कोतवाली में आरोपित पति समेत अन्य ससुरालीजनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। कमता स्थित विमल नगर कॉलोनी निवासी प्रीती सिंह की शादी पिछले साल 20 अप्रैल को बाराबंकी पीएसी 10वीं बटालियन में तैनात प्लाटून कमांडर रणधीर सिंह के साथ हुई थी।

प्रीती के मुताबिक शादी के बाद से ही ससुरालीजन कम दहेज को लेकर प्रताड़ित करने लगे। इसके बाद पीड़िता पति के साथ पीएसी बटालियन चली गई। एक माह बाद पति भी दहेज के लिए परेशान करने लगा और मायके वालों से प्लॉट दिलवाने की बात कही। आरोप है कि प्लॉट की मांग पूरी न होने पर आरोपित पति कमरे में बंदकर पीड़िता को मारता-पीटता और गालियां देता। सास व ननद कम दहेज लाने पर तरह-तरह के ताने देतीं और कहती जब शादी की है तो अधिक दहेज देना पड़ेगा। सास कहती कि शादी में एक सिपाही को दस लाख रुपये मिलते हैं, तुम्हारा पति तो दारोगा है। पीड़िता ने छह फरवरी को पति रणधीर की शिकायत बाराबंकी में अधिकारियों से की जहां ससुरालीजनों ने माफी मांग कर सुलह कर ली। इसके बाद से ससुरालीजनों ने प्रीती को मायके वालों से मिलने से मना कर दिया।

215 कार्टून विदेशी शराब के साथ एक गिरफ्तार

धर्मेंद्र कुमार

समस्तीपुर। समस्तीपुर जिले के विभूतिपुर थाना क्षेत्र के बोरिया पंचायत के डिह बोरिया गांव स्थित दो घरों से 215 कार्टून विदेशी शराब के साथ एक कारोबारी को गिरफ्तार किया गया है। मिली जानकारी के अनुसार थाना क्षेत्र के डिह बोरिया गांव के लाल बाबू सिंह के घर से 107 कार्टून विदेशी शराब 4864 बोतल बरामद किया गया है। साथ ही लालबाबू सिंह पिता श्याम सिंह ग्राम डिह बोरिया थाना विभूतिपुर को गिरफ्तार किया गया है। तथा इसी गांव के राम सोगारथ महतो के घर से भी 108 विदेशी शराब बरामद की गई है। जिसमें जिसमें विभिन्न कंपनियों की लेबर लगी हुई है ।जैसे रॉयल स्टैग, अफसर चॉइस एवं अन्य ।जप्त शराब 215 कार्टून कुल सील बोतल 7374 शराब बरामद किया गया है। गुप्त सूचना के आधार पर थानाध्यक्ष संजीत कुमार दल बल के साथ डीह बोरिया गांव स्थित घरों में छापेमारी की जहां से भारी मात्रा में शराब के साथ-साथ एक व्यापारी को पकड़ा गया है ,एवं अन्य अभियुक्तों के की गिरफ्तारी हेतु छापेमारी पुलिस के द्वारा की जा रही है।

हवस में बदल गई है भाजपा की सत्ता की भूख : मायावती

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी के विधान परिषद सदस्य ठाकुर जयवीर सिंह के इस्तीफा देने के बाद से भारतीय जनता पार्टी में शामिल होने पर मायावती बेहद खफा हैं। बहुजन समाज पार्टी की मुखिया मायावती ने भारतीय जनता पार्टी पर आज जमकर हमला बोला। एमएलसी ठाकुर जयवीर सिंह के इस्तीफे पर बसपा सुप्रीमो मायावती ने भाजपा को जमकर कोसा। राज्यसभा में हाल ही में बोलने से रोके जाने से नाराज होकर इस्तीफा देने वाली मायावती ने भारतीय जनता पार्टी पर बेहद गंभीर आरोप लगाया है। आज भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष अमित शाह की लखनऊ में मौजूदगी के बाद भी मायावती ने भाजपा को आड़े हाथ लिया। मायावती ने कहा कि भाजपा

इन दिनों लोकतंत्र की गरिमा का स्तर बेहद नीचे तक ले जाने में लगी है। भाजपा को सत्ता की हवस में इन दिनों कुछ भी सूझ नहीं रहा है। अब भाजपा की सत्ता की भूख हवस में बदल गई है। बस किसी भी कीमत पर सत्ता हासिल यह पार्टी सत्ता की भूखी है। भाजपा ने सत्ता पाने को सरकारी मशीनरी का गलत उपयोग किया। नरेंद्र मोदी सरकार ने लोकतंत्र का भविष्य खतरे में डाल दिया है। सत्ता लोभी बीजेपी ने अब सभी हदों को लांघ दिया है। मायावती ने कहा कि मणिपुर, गोवा, बिहार तथा गुजरात के बाद आज जो भारतीय जनता पार्टी कर रही है, उससे साबित होता है कि देश का लोकतंत्र खतरे में हैं। जिस तरह से भाजपा असंवैधानिक तरीके से विपक्षी दलों की सरकारों को गिरा रही है और विधायकों को तोड़ रही है वह लोकतंत्र के लिए शुभ संकेत नहीं है। उन्होंने कहा कि पहले मणिपुर, फिर गोवा, उसके बाद बिहार में महागठबंधन को तोड़ा, गुजरात में कांग्रेस विधायकों का इस्तीफा और अब उत्तर प्रदेश में तीन विधान परिषद सदस्यों के इस्तीफे दशार्ते हैं कि भाजपा के कारण ही लोकतंत्र खतरे में है।

कांग्रेस व राजद द्वारा विश्वासघात दिवस मनाया गया

पटना। पूरे बिहार में कांग्रेस और राजद के कार्यकर्ता के द्वारा मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को विश्वासघाती कहते हुए आज विश्वासघात दिवस मनाया। विश्वासघात करने के विरोध में राजद व कांग्रेस के कार्यकर्ता ने जगह-जगह प्रदर्शन कर मुख्यमंत्री के पुतले जलाए और विरोध किए बिहार के सभी जिलों में आरजेडी और कांग्रेस के नेताओं के द्वारा नीतीश कुमार के खिलाफ प्रदर्शन किया गया। उधर समस्तीपुर शहर स्थित समस्तीपुर पटना मुख्य पथ को जाम कर मुख्यमंत्री का पुतला दहन किया गया। साथ ही साथ कांग्रेस व राजद के समर्थकों के द्वारा विश्व विश्वासघाती मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का पुतला दहन किया गया। वही जिले के विभिन्न शहर, बाजार, कस्बों , व प्रखंडों में राजद व कांग्रेस के कार्यकताओं

ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के खिलाफ आक्रोशपूर्ण प्रदर्शन किया गया। इस कड़ी में जिले के विभूतिपुर प्रखंड स्थित कांग्रेस पार्टी की बैठक प्रखंड कांग्रेस अध्यक्ष श्री रामाधार चौधरी की अध्यक्षता में भरपूरा स्थित प्रखंड कांग्रेस कार्यालय में हुई। बैठक में सर्वसम्मति से नीतीश कुमार के द्वारा महा गठबंधन तोड़कर भाजपा के साथ सरकार बनाने पर विश्वास घात दिवस मनाया गया। बैठक में निर्णय लिया गया कि नीतीश कुमार में अगर हिम्मत है तो फिर से चुनाव करा कर भाजपा के साथ सरकार बना लें, क्योंकि बिहार की जनता महागठबंधन को जनमत दिया था। इस बैठक में कपिलेश्वर कुवर, संजीव कुमार ठाकुर, अशोक कुमार सिंह, शंकर यादव, चंदन चंद्रभूषण सिंह, राधाकांत चौधरी, कमलकिशोर ईश्वर , चंद्रशेखर महतो , भोला प्रसाद, अजीत कुमार सिंह, मनी शंकर चौधरी, विजय कुमार झा, फुलेश्वर महतो, ओमप्रकाश पासवान, लक्ष्मी पासवान, मोहम्मद मुस्तफा, रणधीर कुमार एवं सैकड़ों अन्य कार्यकर्ता लोग उपस्थित थे।

भारत का ये शहर जन्नत से कम नहीं, हर मौसम लें घूमने का मजा

भारत के उत्तरपूर्वी राज्य में स्थित सिक्किम खूबसूरत और प्राकृतिक नजारों से भरपूर शहर है। नदियों और पहाड़ो से भरे इस शहर में हर साल घूमने के लिए बहुत से पर्यटक आते हैं। सिक्किम रहस्यमय सौंदर्य और फूलों से भरा हुआ है। इस शहर के पुराने रीति-रिवाज आज के लाइफस्टाइल के हिसाब से किए जाते है। यहां के बुद्ध धर्म मंदिरों में फारसी और तिब्बती भाषा की शिक्षा दी जाती है। इसके अलावा यहां पर घूमने के लिए बहुत से गांव, नदियां और पहाड़ियां है जिनकी खूबसूरती देखकर आप दंग रह जाएंगे।

1. कंचनजंगा पहाड़ी

सिक्किम की ये पहाड़ी दुनिया की तीसरी सबसे ऊंची चोटी है। इसकी ऊंचाई 28156 फुट है। सूरज की सबसे पहली किरण इस पहाड़ी पर पड़ती है। आप चाहें तो इस पहाड़ी पर ट्रेकिंग भी कर सकते है। इसकी चोटी को सिक्किम के दो गावों से देखा जा सकता है।

2. गंगकोट

सिक्किम की राजधानी गंगकोट बहुत ही खूबसूरत नजारों से भरपूर शहर है। कंचनजंगा पहाड़ी की चोटी इस शहर से आपको साफ दिखाई देगी। गंगटोक के प्राचीन मंदिर, महल और मठ आपको सपनों की दुनिया की सैर कराएंगे।आप यहां पर प्राचीन कलाकृतियों के लिए पुराने बाजार, लाल बाजार या नया बाजार भी घूम सकते हैं। इसके अलावा यहां पर पहाड़ियों की ढाल पर दोनों और आकर्षक भवन दिखाई देते है।

3. युक्सोम

यह शहर सिक्किम की पहली राजधानी हुआ करता था। इस शहर में आपको कंचनजंघा की चढ़ाई के लिए असानी से बेस कैम्प मिल जाएगा। याक की सवारी करते हुए आप यहां के मजारों का मजा ले सकते है। इसके अलावा यहां की प्रसिद्ध सोम्गो लोक हमेशा ही पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र रही है। मई से अगस्त के बीच इस शहर में बहुत ही सुंदर फूल खिलते है और बर्फ गिरने के कारण झील का इलाका और भी खूबसूरत हो जाता है।

4. नाथु-ला दर्रा

यह दर्रा सिक्किम को तिब्बत क्षेत्र से जोड़ती है। इसकी ऊंचाई लगभग 14,00 फीट है। यहां की पहाड़ियां ज्यागातर धुंध से ढकी रहती है। इस जगह जाने के लिए आपको टेढ़े मेढ़े रास्तों से होकर गुजरना पड़ता है। पर्यटको यहां पर जाने के लिए स्पेशल परमिट लेना पड़ता है।

5. युमथुंग घाटी

युमथुंग घाटी को लोग फूलों की घाटी भी कहते है। यहां को तापमान गर्मियों में कभी 28 डिग्री सेल्सियस से ज्यादातर नहीं बढ़ता और ठण्ड में 0 डिग्री सेल्सियस पर रहने के बावजूद भी यहां पर कुछ भी जमता नहीं है। मानसून में यहां पर बारिश के कारण भूस्खलन आने का डर रहता है।

कर्ज वापसी से बचने को महिला ने कराई प्लास्टिक सर्जरी

कर्ज वापसी से बचने के लिए अमूमन लोग देश छोड़कर भाग जाते हैं या पहचान छिपाकर कहीं और रहने लगते हैं। इससे हटकर शंघाई के वुहान शहर में चीनी महिला ने पुलिस की पकड़ में आने से बचने को चेहरे की प्लास्टिक सर्जरी करा डाली। महिला पर लगभग ढाई करोड़ रुपये का भारी भरकम कर्ज था। एक स्थानीय अदालत ने महिला को कर्ज चुकाने का आदेश दिया था, जिसके बाद वह अपना शहर छोड़ शेंजेन भाग गई और जब गिरफ्त में आई तो उसे देख पुलिस भी हैरान रह गई। पुलिस के मुताबिक 52 वर्षीय महिला 30 साल की नजर आ रही थी और हमारे पास जो तस्वीरें थीं, उससे वह बिल्कुल अलग दिख रही थी। महिला की पहचान हू नाजुआन के रूप में हुई जो इस दौरान दूसरों के पहचान पत्रों के जरिए ट्रेन से देश भर में यात्रा भी करती रही। दरअसल चीन में बड़ी सं या में लोग बैंक का कर्ज नहीं चुका रहे हैं। महिला के शहर में कर्ज नहीं चुकाने वालों को लेकर अभियान शुरू किया गया है। इसके तहत इस साल 186 लोगों को अबतक हिरासत में लिया जा चुका है।

मुंबई हलचल राशिफल

आचार्य परमानंद शास्त्री

मेष
वरिष्ठजनों का सहयोग मिलेगा। व्यस्तता रहेगी। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा।

सिंह
मेहनत कम, लाभ अधिक होगा। मान-सम्मान मिलेगा। धनार्जन सहज होगा। विवाद से बचें।

धनु
डूबी हुई रकम प्राप्त हो सकती है। यात्रा मनोरंजक रहेगी। प्रयास सफल रहेंगे।

वृष
संपत्ति की खरीद-फरोख्त हो सकती है। धनलाभ होगा। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। यात्रा होगी।

कन्या
दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं। यात्रा मनोरंजक रहेगी। शुभ समाचार प्राप्त होंगे।

मकर
योजना में परिवर्तन तथा कार्यशैली में सुधार होगा। धनलाभ होगा। निवेश शुभ रहेगा।

मिथुन
प्रेम-प्रसंग अनुकूल रहेंगे। पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा। रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

तुला
उन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। प्रतिष्ठा बढ़ेगी। भेंट व उपहार की प्राप्ति होगी। यात्रा मनोरंजक रहेगी। प्रसन्नता रहेगी।

कुंभ
तीर्थदर्शन संभव है। सत्संग का लाभ मिलेगा। ईष्ट मित्रों से मुलाकात होगी। वरिष्ठजन सहयोग करेंगे।

कर्क
जोखिम व जमानत के कार्य टालें। वाणी पर नियंत्रण रखें। लेन-देन में सावधानी आवश्यक है।

वृश्चिक
अप्रत्याशित घटनाएं घटेंगी। चिंता तथा तनाव रहेंगे। जल्दबाजी न करें। फालतू खर्च होगा।

मीन
चोट, चोरी, विवाद व व्याधि आदि से हानि संभव है। लेन-देन में सावधानी रखें।

एक हफ्ते में करोड़ो की मालकिन हो गई ये लड़की

अमेरिका की रहने वाली 19 साल की रोजा डॉमिनिग्वेज ने लॉटरी के पांच टिकट खरीदे थे। एक टिकट की कीमत 320 रुपये थी। रोजा अक्सर लॉटरी की टिकट खरीदती हैं। पर कभी उनके साथ ऐसा नहीं हुआ कि एक हफ्ते में दो बार उनकी लॉटरी निकल आये और वो करोड़पति हो जाएं। रोजा बताती हैं उन्हें लॉटरी का टिकट खरीदना अच्छा लगता है। वो अपनी किस्मत आजमाती हैं। लॉटरी की टिकट लेने के लिये रोजा हफ्तेभर पहले तो डॉलर जोड़ती हैं फिर जाकर लॉटरी टिकट ले आती हैं। इस बार जब वो पहली लॉटरी टिकट लेकर आईं तो उन्होंने एक लॉख डॉलर की रकम जीती।

रोजा ने जीती 4 करोड़ की रकम- एक लाख डॉलर जीतने के बाद रोजा की खुशी को ठिकाना नहीं रहा। वो फिर से लॉटरी खरीदने के लिये लॉटरी की दुकान पर गईं और एक लॉटरी की टिकट खरीद कर लाईं। इस बार भी किस्मत उनके साथ थी और उन्हें फिर से पांच लाख डॉलर

की लॉटरी जीती। लॉटरी जीतने के बाद रोजा के बैंक में करीब 4 करोड़ 23 हजार रुपये प्रवेश कर चुके हैं। रोजा ने बताया कि वह इस रकम से शॉपिंग करेंगी और नई कार खरीदेंगी। इसके अलावा भी रोजा ने एक लंबी शॉपिंग लिस्ट तैयार रखी है। वो पूरे हफ्ते खूब शॉपिंग करेंगी और दोस्तों के साथ मस्ती करेंगी।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

मिनटों में दूर करें थकान और तनाव

आजकल के बिजी शेड्यूल के कारण लोगों को थकान और तनाव की समस्या होती जा रही है। इससे शरीर टूटने, सिर दर्द, कमर दर्द और अनिद्री जैसी प्रॉब्लम हो जाती है। इन सभी समस्याओं से छुटकारा पाने के लिए अब आपको डॉक्टर या दवाई लेने की जरुरत नहीं। बल्कि इसके लिए अब आप बॉडी मसाज का सहारा ले सकते है। बॉडी मसाज से आपको इन सब समस्याओं से तुरंत ही छुटकारा मिल जाएगा। बस आपको इसके लिए टाइम निकालने की जरुरत पड़ेगी।

1. तनाव से राहत

मसाज करने से स्ट्रेस हार्मोन कोर्टिसोल का स्तर कम हो जाता है जिससे तनाव से राहत मिलती है। मसाज करते समय प्रेशर प्वाइंट्स पर दबाव पड़ता है जिससे पाचन तंत्र मजबूत होने के साथ-साथ शरीर की कार्यक्षमता भी बड़ जाता है। और आप बेहतर महसूस करने लगते है।

2. रक्त संचार

मसाज थेरेपी शरीर पर प्राकृतिक दर्द निवारक का काम करती है, इससे मांसपेशियों को राहत मिलती है और रक्त संचार बेहतर होता है। जिससे सिर दर्द और कमर दर्द की शिकायत नहीं रहती।

3. वजन घटना

आजकल तो जिम में भी वजन कम करने के लिए बॉडी मसाज पर जोर दिया जाता है। इससे शरीर की नसा कम होती है और थकान भी दूर हो जाती है। इसके अलावा इससे शरीर लचीला बनता है और मांसपेशियों में होने वाली परेशानी भी कम हो जाती है।

4. गहरी नींद

ज्यादा काम करने के आप अच्छी नींद नहीं ले पाते जिससे आपको अनिंद्रा की प्रॉब्लम के साथ-साथ और कई तरह की समस्याएं हो जाती है। बॉडी मसाज करने से आपको नींद अच्छी आती है और आपको थकान और तनाव जैसी समस्याएं नहीं होती।

5. सूजन की समस्यां

बॉडी में सूजन की समस्यां होने पर उसका असर पूरे शरीर पर पड़ता है। ऐसे मसाज करने से सूजन वाले हिस्से की नसों पर दबाव बढ़ता है और सूजन कम होती है। इसके अलावा चेहरे पर मसाज करने से आपकी त्वचा साफ, शुष्क और हाइड्रेटिड होती है, जिससे आपके चेहरे की खूबसूरती और भी बड़ जाती है।

बालों से लेकर स्किन तक, भिड़ी मास्क करें इस्तेमाल

भिंडी की सब्जी खाना तो हर कोई पंसद करता है। इसमें मौजूद फाइबर, मैग्नीशियम, कैल्शियम, आयरन, पोटाशियम और विटामिन जैसे पोषक तत्व सेहत के लिए बहुत लाभदायक होते है। आपको ये जानकर हैरानी होगी कि भिंड़ी सिर्फ सेहत के लिए ही नहीं बल्कि चेहरे और बालों के लिए भी बहुत अच्छी होती है। इसमें एंटी बैक्टीरियल और औषधीय गुण होते है जो स्किन के साथ-साथ बालों की प्रॉब्लम को भी दूर करते है। आइए जानते है किस तरह भिंडी चेहरे और बालों की समस्याओं को दूर कर सकती है।

1. मुहांसो पर असरदार

धूप में ज्यादा रहने से आपकी स्किन खराब हो जाती है। धूप के कारण चेहरे पर मुंहासे, ड्राई स्किन, त्वचा संबंधी संक्रमण, एजिंग और डलनेस जैसी समस्याएं हो जाती है। इन प्रॉब्लम से छुटकारा पाने के लिए आप भिंडी का मास्क बना कर चोहरे पर लगा सकती है। इसे लगाने से त्वचा निखरी, बेदाग और खूबसूरत हो जाएगी।

2. भिंडी का मास्क

चेहरे पर से झुर्रियां हटाने के लिए भिंडी बहुत ही अच्छा मॉइस्चराइजर है। इसके लिए भिंडी को ब्लेडर में अच्छी तरह पीसकर इसका पेस्ट बना लें। इस पेस्ट को 15-20 मिनट चेहरे पर लगाने के बाद ठंडे पानी से मुंह धो लें। रोजाना इसको लगाने से थोड़े ही दिन में इसका असर दिखने लगेगा।

3. भिंडी की जेल

इसके एंटीबैक्टीरियल गुण स्किन के रैशेज और इंफेक्शन को खत्म कर देते है। इसके लिए भिंडी को काट कर आधे घंटे के लिए पानी में भिगो दें। इसके बाद इस लिक्विड को कॉटन के साथ चेहरे पर लगाएं और सूखने के बाद चेहरा धो लें। इससे स्किन बेदाग और निखर जाएगी।

4. चमकदार बाल

चेहरे के साथ-साथ भिंडी बालों पर भी बहुत असरदार है। स्कैलप पर भिंडी की जेल लगाने से ब्लड सकुर्लेशन बढ़ता है। इसके लिए भिंडी को काट कर पानी में उबाल लें। ठंडा होने पर इसमें नींबू का रस मिलाकर शैंपू के बाद इसके पानी से बालों को धोएं। हफ्ते में 3-4 बार ऐसा करने से बालों में डैडंफ की समस्यां दूर हो जाएगी और बालों की ग्रोथ भी अच्छी होगी।

5. स्कैल्प मॉइस्चराइजर

स्कैल्प मॉइस्चराइजर बनाने के लिए भिंडी को काट कर पानी में उबालें। इसे गाढ़ा चिपचिपा होने तक पकने दें। इसके बाद इसको छान कर इसमें एक चम्मच शहद और ऑयल डाल दें। ऐसा करने से यह कर्ली और उलझे हुए बालों के लिए एक बहुत अच्छा मॉइस्चराइजर बन जाएगा। इसके अलावा इससे डैडंफ की समस्यां भी दूर हो जाएगी।

गालों को बनाना है गोल-मटोल तो अपनाएं ये तरीके

चेहरे का आकर्षण होती है आंख, नाक, होंठ और गाल। अगर इन चार चीजों की सुंदरता में कमी आ जाए तो पूरे चेहरे की खूबसूरती कम लगने लगती है। बहुत सी लड़कियों की समस्या होती है पिचके गाल। गाल वहीं अच्छे लगते है जो हमारी हंसी को खूबसूरत बना दें। जब गाल अंदर को पिचक जाते है तो जबड़े की हड्डी या त्वचा उभरी हुई दिखाई देने लगती है जिससे चेहरा भद्दा सा दिखने लगता है। लड़कियां अपने गाल को गोलमटोल बनाने के लिए कई ट्रीटमेंट और तरीकों का सहारा लेती है लेकिन को फायदा नजर नहीं आता। अगर आप भी अपने गालों को गोल-मटोल बनाना चहती है तो इस तरीकों को जरूर आजमा कर देखें। शायद यह आपके काफी काम आएं।

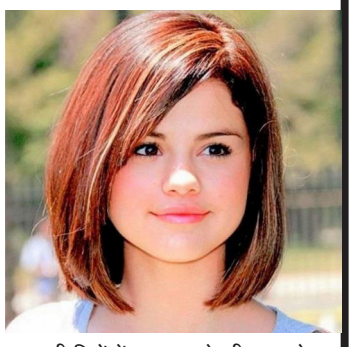

गालों को गोल-मटोल बनाने के लिए योग

- कुर्सी या टेबल के सहारे अपनी पीठ बिल्कुल सीधा करके बैठ जाएं। अब जितना मुंह खोल सकते है खोल लें। अब अपने हाथों से दोनों गालों को पकड़कर खींचे। 3द सेकेंड तक ऐसा करें। फिर पहले वाली स्थिति में वापिस आ जाएं। इस एक्सरसाइज को करने से गाल उभरने लगते है।
- एक मिनट तक मुंह को गुब्बारे की तरह ही फुलाकर रखें। दिन में 3 बार ऐसा करें। इससे कुछ ही दिनों में गाल गुब्बारे की तरह गोल-मटोल बन जाएंगे।

कुछ घरेलू उपाय

बादाम तेल

बादाम या सरसों के तेल से गालों की मसाज करें। मालिश को कम से कम 5 मिनट तक रोजाना करें। इसी के साथ धूम्रपान और शराब से परहेज करें।

मेथी

मेथी में एंटीऑक्सीडेंट और विटमिन होते हैं जो त्वचा की झुर्रियां और लटकती त्वचा से निजात दिलाते हैं और पिचके गालों का परफैक्ट शेप देते है। रात को मेथी पानी में भिगोकर रख दें और सुबह पेस्ट बनाकर गालों पर लगा लें। सूखने के बाद धो दें।

ग्लिसरीन

गुलाब जल और ग्लिसरीन को मिलाकर मिश्रण बना लें। अब इस मिश्रण से रोजाना अपने गालों की मसाज करें। इससे भी उन्हें परफैक्ट शेप मिलेगी।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

मुंबई, सोमवार
31 जुलाई, 2017

दादा बोले-कप्तान के तौर पर विराट का 'टेस्ट' होना अभी बाकी

कोलकाता। श्रीलंका के खिलाफ गॉल टेस्ट जीत के साथ ही कप्तान के तौर पर विराट कोहली ने 17वीं टेस्ट विजय हासिल कर ली है। अब वह सौरव गांगुली से महज चार जीत दूर रह गए हैं। गांगुली (2000-2005) ने अपनी कप्तानी में 21 टेस्ट मैच जीते थे। लेकिन पूर्व भारतीय कप्तान गांगुली का मानना है कि एक कप्तान के रूप में कोहली की योग्यता का आकलन इंग्लैंड, दक्षिण अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया दौरे पर ही किया जा सकता है। उन्होंने कहा, 'अबतक विराट की परीक्षा नहीं हुई है।

श्रीलंका इस समय मजबूत टेस्ट टीम नहीं है। मैं ही नहीं, फैंस के अलावा खुद विराट भी मानेंगे कि दक्षिण अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड की धरती पर प्रदर्शन से ही तय हो पाएगा कि टीम इंडिया कितनी मजबूत है।' वैसे दादा ने भारत के मौजूदा प्रदर्शन पर खुशी जाहिर करते हुए कहा कि श्रीलंकाई टीम सीरीज के बाकी टेस्ट में भी संघर्ष करती नजर आएगी। उन्होंने कहा, 'भारतीय टीम बेहद संतुलित है। मौजूदा परिस्थिति में मेजबान टीम टीम इंडिया को चुनौती देने में सक्षम नहीं है।'

भारतीय महिलाओं ने किया कमाल

फीबा एशिया कप में कजाकिस्तान को दी मात

बेंगलुरु। भारतीय महिला बास्केटबॉल टीम ने फीबा एशिया कप 2017 में कजाकिस्तान को 75-73 से मात देकर ए डिविजन में प्रवेश किया। बी डिविजन के फाइनल में दो अजेय टीमों भारत और कजाकिस्तान के बीच मुकाबला हुआ, जिसमें भारत ने जीत हासिल की। इस जीत के साथ भारत ने फीबा महिला एशिया कप के अगले संस्करण के लिए ए डिविजन में प्रवेश पा लिया है। कजाकिस्तान की टीम ने मैच के दौरान अपनी खिलाड़ियों के आकार का फायदा उठाया। उसकी खिलाड़ी नादेजदा कोंद्राकोवा दोनों ओर से स्कोर करने में सक्षम थीं। भारत की ओर से टीम के संतुलित प्रयास से स्कोर बनाया जा सका। एक ओर शिरीन आक्रामक खेल रही थीं तो गार्डस पौल दुराई और रसप्रीत अपने जंपर्स के लिए स्पेस बनाने में लगी थीं। भारत ने जीना स्कारिया और शिरीन लिमये की बदौलत फाइनल मुकाबला जीता। यह खिताब जीतने के साथ ही भारत ने 'फीबा महिला एशिया कप 2019' के डिवीजन-ए में अपनी जगह पक्की कर ली है।

शिवा थापा और मनोज समेत पांच भारतीय मुक्केबाजों ने जीते गोल्ड मेडल

नई दिल्ली। चेक रिपब्लिक में आयोजित 48वें ग्रां प्री उस्ती नाद लेबम टूर्नामेंट में भारतीय मुक्केबाजों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 5 गोल्ड, 2 सिल्वर और एक ब्रॉन्ज मेडल जीता। वर्ल्ड चैंपियनशिप ब्रॉन्ज मेडलिस्ट शिवा थापा (60 किलोग्राम), पूर्व कॉमनवेल्थ गेम्स गोल्ड मेडलिस्ट मनोज कुमार (69 किलोग्राम), अमित पनघल (52 किलोग्राम), गौरव विधुरी (56 किलोग्राम) और सतीश कुमार (+91 किलोग्राम) ने भारत के लिए गोल्डन पंच लगाया और गोल्ड मेडल अपने नाम किया। इसके अलावा कविंदर बिष्ट (52 किलोग्राम) और मनीष पंवर (81 किलोग्राम) ने सिल्वर मेडल जीता साथ ही सुमित सांगवान (91 किलोग्राम) ने सेमीफाइनल में हार के बाद ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम

किया। अमित और कविंदर फाइनल में आमने-सामने थे। इन दोनों में से अमित (49 किलोग्राम) लाइट फ्लाइवेट के बॉक्सर हैं लेकिन उन्होंने फ्लाइवेट डीविजन में हिस्सा लिया। उन्होंने कविंदर को 3-2 से हारकर टॉप पोजिशन हासिल की। गौरव ने पोलैंड के लवानोव जारोसलॉ को बिना किसी दिक्कत के 5-0 से हराया। एशियन चैंपियनशिप में हाल ही में सिल्वर मेडल जीतने वाले शिवा थापा ने स्लोवाकिया के फिलिप मेसजारो पर एक तरफ जीत दर्ज करते हुए उसे 5-0 से हराया। ये जीत अगले महीने जर्मनी के हैम्बर्ग में होने वाली वर्ल्ड चैंपियनशिप से पहले शिवा थापा के लिए उत्साह बढ़ाने वाला होगा। अगले महीने हैम्बर्ग में हिस्सा लेने भारतीय बॉक्सर मनोज कुमार ने लोकल बॉक्सर डेविड कोर्ट को आसानी से 5-0 से हरा दिया। सतीश को अपना गोल्ड मेडल जीतने के लिए जर्मनी के मैक्स केलेर से कठिन संघर्ष करना पड़ा। सिल्वर मेडल जीतने वाले मनीष को जर्मनी के इब्राजिम ने हराया और उन्हें दूसरे नंबर से संतोष करना पड़ा। ये टूर्नामेंट भारतीय बॉक्सर के लिए अच्छी प्रैक्टिस के तौर पर भी देखा जा रहा है क्योंकि इन खिलाड़ियों को 25 अगस्त से 2 सितंबर तक वर्ल्ड चैंपियनशिप में हिस्सा लेना है। अमित, कविंदर, गौरव, शिवा, मनोज, सुमित और सतीश इस वर्ल्ड चैंपियनशिप में हिस्सा लेंगे। इनके अलावा विकास कृष्णन (75 किलोग्राम) भी इस चैंपियनशिप में हिस्सा लेंगे जो इस ट्रिप पर भारतीय मुक्केबाजों के साथ नहीं आए थे और उन्होंने पुणे में ट्रेनिंग को प्राथमिकता दी।

श्रीलंका पर जोरदार जीत का टीम इंडिया ने मनाया जश्न

नई दिल्ली। टीम इंडिया ने गॉल टेस्ट के चौथे ही दिन शनिवार को श्रीलंका पर 304 रन से जोरदार जीत दर्ज की। ये विदेशी धरती पर टेस्ट मैच में रनों के लिहाज से भारत की सबसे बड़ी जीत है। भारतीय टीम ने गॉल टेस्ट में खेल के हर विभाग में श्रीलंका को कमतर साबित करते हुए जोरदार जीत दर्ज की। भारत से जीत के लिए मिले 550 रन के टारगेट के जवाब में श्रीलंका की टीम अपनी दूसरी पारी में 245 रन पर ही सिमट गई, उसके लिए करुणारत्ने ने सबसे अधिक 97 रन पारी खेली। भारत के लिए दूसरी पारी में अश्विन और जडेजा ने 3-3 विकेट झटके। इस जोरदार जीत का टीम इंडिया की खिलाड़ियों ने जमकर जश्न मनाया। इस टेस्ट मैच में नहीं खेले रोहित शर्मा ने अपने ट्विटर हैंडल से एक तस्वीर शेयर की है जिसमें वह शिखर धवन, चेतेश्वर पुजारा, रिद्धिमान साहा और केएल राहुल के साथ वीडियो गेम फीफा खेलते नजर आ रहे हैं। रोहित ने फीफा खेलते हुए इन साथी खिलाड़ियों के साथ अपनी तस्वीर शेयर करते हुए लिखा है, जीत का अहसास उतना ही सुखद है जितना की फीफा खेलना।

सताती रहेगी विश्व कप में 9 रन से मिली हार : झूलन गोस्वामी

कोलकाता। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की स्टार गेंदबाज झूलन गोस्वामी ने कहा कि आईसीसी विश्व कप फाइनल में इंग्लैंड के हाथों मिली नौ रन की हार उनकी टीम को हमेशा सताती रहेगी। दरअसल, झूलन ने कोलकाता में आयोजित एक सम्मान समारोह में कहा कि, हारने के बाद भी 'जिस तरह से भारत में हमारा स्वागत किया गया था, उसने हमारा दिल छू लिया। यही कारण है कि नौ नंबर हमें भयभीत करता रहेगा'। बता दें कि महिला वर्ल्ड कप के फाइनल के बाद जब 28 जुलाई को झूलन गोस्वामी कोलकाता एयरपोर्ट पहुंची तो वहां उनका स्वागत फूल मालाओं के साथ किया गया। झूलन ने महिला क्रिकेट टीम के फाइनल में इंग्लैंड के खिलाफ शानदार गेंदबाजी करते हुए 23 रन दे कर 3 विकेट गिराए थे। इस पूरे टूर्नामेंट में उन्होंने 10 विकेट लिए हैं। झूलन से उनकी निजी जिंदगी के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि, 'मेरा पूरा ध्यान खेल पर ही लगा हुआ है। मैं इसमें इतनी व्यस्त हूं कि मैं किसी भी अन्य चीज के लिए समय नहीं दे सकती। उन्होंने कहा कि मैंने अपने बहुत से दोस्तों को एक समय में दो काम करने के लिए संघर्ष करते देखा है लेकिन मैं एक समय में एक ही काम करना पसंद करती हूं और मैं अभी केवल क्रिकेट पर ही ध्यान देना चाहती हूं। बाकी दूसरी चीजों के लिए अभी काफी समय है।'

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

बाढ़ पीड़ितों के लिए आमिर ने लगाई मदद की गुहार

बॉलीवुड एक्टर आमिर खान ने हाल ही में अपने ट्विटर अकाउंट पर एक वीडियो जारी कर लोगों से बाढ़ पीड़ितों की मदद करने की गुहार लगाई है। कहा जा रहा है कि असम और गुजरात भयंकर बाढ़ की चपेट में है। सुरक्षा और बचाव का काम चल रहा है। लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जा रहा है। शुक्रवार तक गुजरात में 128 लोगों ने अपनी जान भी गंवा दी है। आमिर ने इस वीडियो में कहा है– असम और गुजरात भारी बाढ़ की चपेट में है। कुछ लोगों ने अपनी जान भी गवां दी है। कुदरत के सामने तो हम मजबूर हैं लेकिन वहां रहने वाले भाइयों–बहनों की मदद करने में हम लाचार नहीं हैं। आइए, हम दोनों राज्यों के चीफ मिनिस्टर रिलीफ फंड में योगदान दें। मैं तो ऐसा करने वाला हूं, आप भी जरूर करें। बता दें कि आमिर इस वीडियो में 'ठग्स ऑफ हिंदोस्तान' के लुक में नजर आ रहे हैं।

'झलक दिखला जा 10' को होस्ट करेंगी श्रीदेवी

टीवी फैन्स के लिए इससे बड़ी गुड न्यूज क्या हो सकती है कि उनका फेवरेट डांस शो झलक दिखला जा एक बार फिर उनकी टीवी स्क्रीन पर लौट रहा है। इस नवंबर इस शो को टेलिकास्ट किए जाने की खबरे हैं। लेकिन इस शो से जुड़ी इससे भी बड़ी खबर शो को जज को लेकर है। bollywood lifeÜcom में छपी खबर के मुताबिक देश के इस फेमस डांस रियलिटी शो झलक दिखला जा को कोई और नहीं बॉलीवुड की फेवरेट स्टार श्रीदेवी होस्ट कर सकती हैं। 'काटे नहीं कटते दिन ये रात' जैसे कई गानों में अपने डांस से दर्शकों को दीवाना बनाने वाली बेहतरीन अदाकारा श्रीदेवी को इस शो में जज के तौर पर साइन करने की चर्चा है। अगर इस शो में श्रीदेवी की एंट्री होती है तो लाजमी है ये शो बिग बॉस को टीआरपी के मामले में टक्कर देता नजर आएगा। कलर्स चैनल ने अपने दर्शकों को एंटरटेनमेंट की डबल डोज देने का फैसला कर लिया है क्योंकि चैनल का चहेता रियलिटी शो बिग बॉस 11 भी नवबंर में ऑन एयर होने जा रहा है। झलक दिखला जा जैसे शो को पहले भी बॉलीवुड की कई डांसिंग क्वीन और डांस मास्टर्स जज कर चुके हैं। इस शो के बेहतीन जजों की बदौलत ही शो को टीआरपी शानदार रही है। इससे पहले इस डासं रियलिटी शो को शिल्पा शेट्टी, माधुरी दीक्षित, जुही चावला और शाहिद कपूर जैसे डांसिंग स्टार्स होस्ट कर चुके हैं। इस शो के पिछले सीजन को बॉलीवुड एक्ट्रेस जैकलीन फर्नांडिस ने जज किया था। इस बार अगर इस डांस रियलिटी शो में श्रीदेवी की एंट्री होती है तो यकीनन शो पर इस आदाकारा के डांस मूव्स शो के मजे को दोगुना कर देंगे।

मौनी रॉय का हॉट अवतार

'नागिन' और 'देवों के देव...महादेव' जैसे सीरियलों से घर–घर में चर्चित हुई मौनी रॉय अब बॉलीवुड में धमाकेदार एंट्री करने जा रही हैं। बता दें कि मौनी रॉय को अक्षय के अपोजिट फिल्म 'गोल्ड' के लिए कास्ट किया गया है। लेकिन इससे पहले हाल में मौनी रॉय सोशल मीडिया पर अपना एक हॉट फोटो शेयर कर इंटरनेट पर सनसनी फैला दी है। इस फोटो में मौनी रॉय सफेद रंग के क्रॉशिया के ड्रेस में नजर आ रही हैं। हालांकि, ये पहली बार नहीं है कि सोशल मीडिया पर मौनी रॉय हॉट अवतार में नजर आईं हो। इससे पहले भी मौनी रॉय अपने वेकेशन्स की कई हॉट तस्वीरें पोस्ट कर चुकी हैं। बता दें कि मौनी रॉय सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं और समय–समय पर अपने फैंस से जुड़े रहने के लिए फोटोज पोस्ट करतीं रहती हैं। मौनी रॉय सलमान की चहेती एक्ट्रैस बताई जा रही हैं और कहा जा रहा है कि उनकी वजह से ही उनको 'गोल्ड' में मौका मिला है। बता दें मौनी ने साल 2007 से छोटे पर्दे पर अपनी शुरूआत की थी। अक्षय कुमार के साथ 'गोल्ड' में नजर आने से पहले भी मौनी 'रन' (2004), 'हीरो हिटलर इन लव' (2011) और 'तुम बिन–2' जैसी फिल्मों में नजर आ चुकी हैं।